DE GROUP
We Define Estate

Gandivaranchi
बिरसा का गांडीव

injection.care
PHARMACY
+91 95070 00009 | injection.care

रांची, अगहन, शुक्ल पक्ष, अष्टमी 2082 | शुक्रवार, 28 नवंबर 2025, मूल्य: ₹2, वर्ष : 7, अंक: 14 | RNI NO : JHABIL/2019/85684 | TOTAL PAGE-08 | www.gandivlive.com

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

मंईयां सम्मान ₹2500
अधिवक्ताओं और राज्यकर्मियों के लिए स्वास्थ्य बीमा

झारखण्ड राज्य विस्थापन एवं पुनर्वास आयोग का गठन

रांची में हाईटेक फ्लाईओवर

झारखण्ड 25
अनंत संभावनाओं की ओर

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती एवं रजत पर्व पर भव्य आयोजन

राजस्व निरीक्षक, स्नातकोत्तर प्रशिक्षित शिक्षक, सहायक शिक्षक, प्रयोगशाला सहायकों, स्नातक प्रशिक्षित शिक्षक, चिकित्सा पदाधिकारियों, विधि सहायक आदि अंतर्गत विभिन्न विभागों में हजारों नियुक्तियां

मुख्यमंत्री फेलोशिप योजना

झारखण्ड फ़्लाईंग इंस्टिट्यूट शुरू

520 बेड बहुमंजिला छात्रावास का निर्माण शुरू

महिला महाविद्यालय, डिग्री कॉलेज एवं राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालयों के निर्माण की स्वीकृति

पहले मिल्क पाउडर प्लांट की आधारशिला

फूलो झानो आशीर्वाद अभियान से 40 हजार महिलाओं को करोड़ों रुपए की मदद

2 लाख 80 हजार से अधिक SHGs को ₹17,374 Cr क्रेडिट लिंकेज

हजारों स्टूडेंट्स को गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड का लाभ

पलाश ब्रांड से ₹56.47 Cr का व्यापार

खूंटी, चाईबासा एवं चांडिल में BAR COUNCIL BULIDING का शिलान्यास

मानकी मुंडा छात्रवृत्ति योजना

स्कूलों में STEM एवं SCIENCE लैब की स्थापना

राज्य में नए 800 MW बिजली का उत्पादन

इको टूरिज्म को बढ़ावा

4th SAAF CHAMPIONSHIP 2025 का आयोजन

हेमन्त सरकार के
प्रथम वर्षगांठ
पर चयनित हजारों अभ्यर्थियों का
नियुक्ति पत्र वितरण समारोह

28 नवंबर, 2025
अपराह्न 12:15 बजे से
मोरहाबादी मैदान, रांची

स्कैन करें और इस समारोह के सहभागी बनें!

अध्यक्षता

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

सम्मानित अतिथि

श्री राधा कृष्ण किशोर माननीय मंत्री	**श्री दीपक बिरुवा** माननीय मंत्री	**श्री चमरा लिण्डा** माननीय मंत्री
श्री संजय प्रसाद यादव माननीय मंत्री	**श्री इरफान अंसारी** माननीय मंत्री	**श्री हफीजूल हसन** माननीय मंत्री
श्रीमती दीपिका पाण्डेय सिंह माननीय मंत्री	**श्री योगेन्द्र प्रसाद** माननीय मंत्री	**श्री सुदिव्य कुमार** माननीय मंत्री

श्रीमती शिल्पी नेहा तिर्की
माननीय मंत्री

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

जेवर की दुकान में चोरी, बहादुर को बंधक बनाकर 10 किलो चांदी उड़ा ले गए चोर

GANDIV REPORTER

रांची। राजधानी रांची के बेड़ो थाना क्षेत्र में एक जेवर दुकान में बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया है। जेवर दुकान का ताला काट कर चोरों ने लाखों की चांदी पर हाथ साफ किया है। जानकारी मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

10 किलो चांदी की चोरी : पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार की रात रांची के बेड़ो थाना क्षेत्र के बाजारटांड़ के समीप स्थित उत्तम ज्वेलर्स दुकान की चैनल और शटर का ताला काटकर अज्ञात चोरों ने लाखों के जेवरात पर हाथ साफ किया है। चोर जेवर दुकान से 10 किलो चांदी उड़ा ले गए हैं। साथ ही चोर दुकान में लगी सीसीटीवी कैमरे

का डीवीआर भी अपने साथ ले गए।

इस संबंध में उत्तम ज्वेलर्स के मालिक ने बताया कि दुकान में 10 किलो चांदी के अलावा सोने के कई गहने मौजूद थे। हालांकि सोने के सभी गहने तिजोरी में बंद थे, इसलिए वह बच गए। लेकिन चोर 10 किलो चांदी अपने साथ ले जाने में कामयाब रहे।

बहादुर को बांध दिया वारदात को अंजाम : जेवर दुकान में चोरी करने वाले चोरों ने इलाके में गश्ती लगा रहे है बहादुर को भी रस्सी से बांध दिया। बहादुर ने बताया कि दुकान में कुछ गतिविधि देखकर उन्होंने जोर से विसिल बजाना शुरू किया तो चोरों ने उसे पकड़ लिया और उसके हाथ-पैर को बांध दिया। सुबह जब कुछ ग्रामीण सड़क से गुजर रहे थे तो उन्होंने बहादुर को बंधे हुए देखा और फिर उसे आजाद करवाया। इसके बाद यह जानकारी मिली कि जेवर दुकान में चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया है।

जांच में जुटी पुलिस : इस संबंध में बेड़ो के डीएसपी अशोक कुमार राम ने बताया कि उत्तम ज्वेलर्स में चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया है। दुकान के मालिक ने बताया है कि 10 किलो चांदी दुकान से चोरी हुई है। पुलिस मामले की तफ्तीश कर रही है। आसपास के सीसीटीवी कैमरे को भी खंगाला जा रहा है, ताकि चोरों का कुछ सुराग हासिल हो सके। पुलिस को अंदेशा है कि चोरी कि वारदात को राज्य के बाहर के अपराधियों ने अंजाम दिया है। पुलिस हाल के दिनों में झारखंड के दूसरे जिलों में इस तरह की हुई चोरी में शामिल गैंग की पहचान के लिए दूसरे जिलों की पुलिस के भी संपर्क में है।

सिरमटोली फ्लाईओवर केस

गीताश्री व सरना समिति की याचिका हाईकोर्ट से खारिज

GANDIV REPORTER

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने रांची के सिरमटोली स्थित फ्लाईओवर की वजह से सरना स्थल प्रभावित होने और रैंप विवाद को लेकर दायर दो जनहित याचिकाओं को खारिज कर दिया है। हाईकोर्ट ने यह माना है कि सरना समिति और आदिवासी नेता गीताश्री उरांव की ओर से दायर याचिका राजनीति से प्रेरित है। इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस तरलोक सिंह चौहान की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में हुई।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता और उनके सहयोगी अधिवक्ता पीयूष चित्रेश ने पक्ष रखा। पीयूष चित्रेश

ने कोर्ट को बताया कि सिरमटोली फ्लाईओवर का काम वर्ष 2022 में शुरू हुआ, लेकिन किसी ने उस वक्त आपत्ति नहीं की। इसे बनाने में करोड़ों रुपए का खर्च आया है जो आम जनता का पैसा है। फ्लाईओवर के निर्माण से सरना स्थल को कोई हानि नहीं हुई है। रोजाना इससे एयरपोर्ट जाने वालों और रेलवे स्टेशन जाने वाले हजारों लोगों को काफी राहत मिलती है। सरकार का पक्ष सुनने के बाद कोर्ट ने जनहित याचिका खारिज कर दी।

झारखंड राज्य में शीतलहर पड़ा नरम

न्यूनतम पारा चढ़ने से ठंड से मिली राहत

GANDIV REPORTER

रांची। झारखंड के पश्चिमी और मध्य भागों में शीतलहर में थोड़ी नरमी आई है। इसकी वजह से हांड़ कंपाने वाली ठंड से थोड़ी राहत मिली है। न्यूनतम तापमान में 2 से 4 डिग्री तक का इजाफा हुआ है। इसकी वजह है उत्तर और उत्तर-पूर्व से आ रही हवाओं का रुख। क्योंकि 27 नवंबर तक उत्तर और उत्तर-पश्चिम दिशा से आ रही ठंडी हवाओं की वजह से न्यूनतम तापमान में 2-4 डिग्री सेल्सियस तक की कमी दर्ज हुई थी।

न्यूनतम पारा में 2 से 4 डिग्री का इजाफा : मौसम केंद्र के मुताबिक 27 नवंबर तक राज्य के 10 जिलों का न्यूनतम तापमान जहां 10 डिग्री से नीचे चला गया था, वहीं 28 नवंबर को सिर्फ चार जिलों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे रिकॉर्ड हुआ है। आज सुबह

10 बजे तक गुमला में न्यूनतम तापमान 7.7 डिग्री रिकॉर्ड हुआ है। इसके अलावा डाल्टनगंज में 8.0 डिग्री सेल्सियस , खूंटी में 8.3 डिग्री सेल्सियस और लातेहार में 9.2 डिग्री सेल्सियस रहा है। शेष सभी जिलों का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से 15 डिग्री सेल्सियस के बीच है।

प्रमुख शहरों का न्यूनतम तापमान झारखंड की राजधानी रांची का न्यूनतम तापमान 12.0 डिग्री सेल्सियस, बोकारो का 12.1 डिग्री सेल्सियस, जमशेदपुर का 12.2 डिग्री सेल्सियस और धनबाद का पारा करीब 15 डिग्री सेल्सियस रहा है। खास बात है कि ठंड के मौसम में लंबे समय बाद शुक्रवार का अधिकतम पारा गोड्डा में 31.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ है। इसके अलावा लोहरदगा के 23.4 और खूंटी के 24.2 डिग्री को छोड़कर सभी जिलों का अधिकतम पारा 25 से 30 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज हुआ है।

मौसम केंद्र रांची के मुताबिक 29 नवंबर से 2 दिसंबर के बीच तापमान में कोई खास बदलाव आने की संभावना नहीं है। ज्यादातर जिलों का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहेगा। इस दौरान सुबह के वक्त कोहरा और धुंध के होने और दिन में आंशिक बादल छाने की संभावना बनी रहेगी।

विद्यार्थियों के लिए प्लेसमेंट बेस्ड ट्रेनिंग उपयोगी : प्राचार्य

GANDIV REPORTER

रांची। सीआईटी में चल रहे सप्ताहव्यापी हैंड्स ऑन इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग प्रोग्राम के तहत शुक्रवार को आईएमपीएस रांची के ट्रेनर विशाल कुमार व तारिक अहमद ने विद्यार्थियों को इंडस्ट्रियल आटोमेशन, स्काडा, पीएलसी, एचएमआई के बारे में विस्तृत जानकारी दी। बता दें की ट्रेनिंग प्रोग्राम में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग ब्रांच के 7वें सेमेस्टर के विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। संस्थान के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट बिभाग व इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस ट्रेनिंग प्रोग्राम में आटोमेशन के क्षेत्र में थ्योरी के अलावे प्रैक्टिकल भी कराया जा रहा है। मौके पर प्राचार्य डॉ एल रंगनाथन, सीएसई विभागध्यक्ष प्रो दीपक कुमार वर्मा, ट्रिपल ई विभागध्यक्ष डॉ बी सी साहा, प्रोग्राम कोर्डिनेटर डॉ नैयर मुमताज, प्रो। बी एन घोष, प्रो स्वेता सोनाली धाॉल, प्रो। पी पी दास, प्रो खुशबू लुगुण, प्रो। एलन जाग्रति टोप्पो, प्रो। गुलफसान सुजीत कुमार आदि लोग उपस्थित थे।

जेल में तैनात सजायाफ्ता उच्च कक्षपाल बर्खास्त

GANDIV REPORTER

रांची। गृह एवं कारा विभाग ने रांची होटवार जेल में तैनात सजायाफ्ता कक्षपाल राहुल कश्यप को जांच के बाद बर्खास्त कर दिया है। जेल प्रशासन के द्वारा की गई जांच में राहुल कश्यप को लेकर कई सच्चाई उजागर हुई थी। इसके बाद यह कार्रवाई की गई है।

जेल आईजी ने की कार्रवाई : रांची के बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार, होटवार जेल में तैनात कक्षपाल राहुल कश्यप को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। साथ ही राहुल को किसी तरह का भुगतान विभाग से नहीं किया जाएगा इसका भी निर्देश जारी किया गया है। इस मामले में जेल आईजी सुदर्शन मंडल ने गुरुवार को इससे संबंधित आदेश जारी किया है।

बता दें कि राहुल कश्यप के

सजायाफ्ता होने की बात छुपाकर रांची के होटवार जेल में उच्च कक्षपाल के पद पर नौकरी करने का मामला जांच में उजागर हुआ था। जिसके बाद कारा विभाग ने इस मामले की जांच के लिए एक तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया। गठित कमेटी ने जांच करने के बाद कारा विभाग को अपनी रिपोर्ट सौंपी। जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट में राहुल कश्यप को दोषी पाया और बर्खास्त करने की अनुसंशा की थी। जिसके बाद विभाग ने राहुल को कारा हस्तक नियम 2025के विभागीय कार्यवाही के चेपटर 22 के रूल 255 एवं 256 सरकारी सेवक नियमावली 3(1)(3) के उलंघन का दोषी पाया और सेवा से बर्खास्त का साक्ष्य पाया।

रांची जेल में काटी सजा, फिर वहीं करायी बहाली : जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि राहुल के विरूद्ध 26 सितंबर 2010 में दुष्कर्म समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज हुआ था। जिसकी सुनवाई करते हुए न्यायालय ने राहुल को दस साल की सजा सुनाई थी। सजा होने के बाद 22 अप्रैल 2014 से 28 अप्रैल 2014 तक राहुल खूंटी उपकारा में सजावार बंद के रूप में बंद थे। इसके बाद उसे 29 अप्रैल 2014 को रांची के होटवार जेल में ट्रांसफर कर दिया गया। सितंबर 2014 तक राहुल होटवार जेल में बंद रहे, हालांकि 18 सितंबर 2014 को राहुल को हाईकोर्ट से जमानत मिली और वह जेल से बाहर आया।

2017 से सजायाफ्ता की बात छुपा कर रखी थी राहुल : राहुल कश्यप ने जमानत मिलने के बाद वह नौकरी की तलाश करने लगा। इसी बीच कक्षपाल की बहाली के विज्ञापन निकला और 2017 को उसे कक्षपाल के पद पर बहाल कर दिया गया। हालांकि उसने अपने नियुक्त के आवेदन में सजायाफ्ता होने की बात अंकित नहीं की थी।

पूर्व पार्षद मो. असलम को हाईकोर्ट से मिली जमानत

GANDIV REPORTER

रांची। कुरकुरे हत्याकांड मामले में फंसे पूर्व पार्षद मो. असलम को तीन महीने बाद आखिरकार झारखंड हाईकोर्ट से जमानत मिल गई। हाईकोर्ट ने 20-20 हजार रुपये का बेल बॉन्ड भरने के निर्देश के बाद उनकी जमानत का आदेश दिया।

बता दें कि 10 जून को हिन्दपीड़ी के ग्वाला टोली निवासी कुरकुरे उर्फ साहिल की हत्या से जुड़ा है। घटना के बाद परिजनों ने इस हत्याकांड में पूर्व पार्षद मो. असलम का नाम जोड़ा था। जबकि उस समय मो. असलम पहले से ही जेल में बंद थे, जिसके

बाद उन्हें साजिश के तहत मामले में फंसा दिया गया था। अदालत ने मामले की परिस्थितियों और तथ्यों को देखते हुए जमानत मंजूर कर ली। रिहाई की सूचना मिलते ही उनके आवास पर समर्थकों और स्थानीय लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने उनके घर पहुंचकर गले मिलकर स्वागत किया और बधाई दी। वहीं वार्ड 22 की कई महिलाओं ने कहा कि मो. असलम एक सामाजिक और मददगार व्यक्ति हैं। उनके जेल जाने के बाद क्षेत्र में कई काम प्रभावित हो गए थे, लेकिन उनके वापस आने से क्षेत्र में विकास की गति फिर से तेज होने की उम्मीद है। मो. असलम की रिहाई के बाद रांची में जश्न जैसा माहौल देखने को मिला।

रांची के लतरातू डैम में पहली बार केज कल्चर से मछली पालन की शुरूआत

GANDIV REPORTER

रांची। झारखंड में मत्स्य पालन की दिशा में केज कल्चर से मछली पालन को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है। केज कल्चर को बढ़ावा देने के लिए रांची जिले के लतरातू डैम में पहली बार केज कल्चर से मत्स्य पालन की शुरूआत कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने की। गुरूवार को 40 केज के जरिए मत्स्य पालन समिति से जुड़े ग्रामीणों को इस रोजगार से जोड़ा गया है। कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने इसका विधिवत उदघाटन करते हुए ग्रामीणों को रोजगार के क्षेत्र में नई सौगात दी।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष योजना अंतर्गत गुरुवार को लतरातू डैम में 40 केज का उदघाटन, मेजर कार्प का संचयन एवं परिसंपत्ति का वितरण किया

गया। इस मौके पर मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि रोजगार को बढ़ावा देने की दिशा में ये शुरूआत मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने बताया कि लंबे समय से जारी प्रयास के बाद पहली बार लतरातू डैम में केज कल्चर के माध्यम से मत्स्य पालन की शुरूआत की गई है। लापुंग जैसे प्रखंड के सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्र के लिए ये बड़ी बात है। लाभ का धंधा बना मत्स्य पालकों का पेशा

कृषि मंत्री ने बताया कि अभी तो ये महज शुरूआत है। भविष्य में बड़े स्तर पर केज कल्चर के जरिए मत्स्य पालकों और समिति से जुड़े ग्रामीणों को रोजगार के क्षेत्र में बड़ा मुनाफा होगा। इससे पहले रांची का गेतलसूद डैम, केज कल्चर से मत्स्य पालन में सफल प्रयोग साबित हो चुका है। आज के दिन वहां के मत्स्य पालकों को सालाना 25 से 30 रुपए का रोजगार हो रहा है। लतरातू के मत्स्य पालकों को एक्सपोजर विजिट के माध्यम से गेतलसूद की सफलता से अवगत कराया जाएगा। हर कदम उठा रही है राज्य सरकार : **कृषि मंत्री**

कड़िया मुंडा को सांस लेने में परेशानी, रांची के अस्पताल में भर्ती

खूंटी। लोकसभा के पूर्व उपाध्यक्ष सह वरिष्ठ भाजपा नेता और पद्मभूषण से सम्मानित कड़िया मुंडा को सांस लेने में परेशानी हो रही थी, जिसके बाद उन्हें रांची के ऑर्किड अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कड़िया मुंडा को पूर्व में भी सांस लेने में तकलीफ हुई थी। जांच में निमोनिया के लक्षण पाए गए थे।

भाजपा के वरिष्ठ नेता फिलहाल स्वस्थ हैं और बातचीत कर रहे हैं। परिजनों के अनुसार कड़िया मुंडा को ठंड लगने के कारण सांस लेने में परेशानी हुई थी। फिलहाल उन्हें आईसीयू में पर्यवेक्षण में रखा गया है।

कड़िया मुंडा की तबीयत बिगड़ने की जानकारी दिल्ली तक पहुंची, जिसके बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने फोन कर उनकी सेहत की जानकारी ली। उन्होंने कड़िया मुंडा से भी बातचीत की और उनके स्वास्थ्य संबंधी जानकारी ली।

एक साथ तीन बच्चों को जन्म देने वाली महिला की मौत, बच्चों की हालत नाजुक

GANDIV REPORTER

रांची/सिमडेगा। सिमडेगा निवासी 30 वर्षीय अरुणिमा बा का शुक्रवार सुबह 5 बजे रिम्स रांची में इलाज के दौरान मौत हो गई। अरुणिमा ने 23 नवंबर 2025 को ऑपरेशन के जरिए तीन स्वस्थ बच्चों को जन्म दिया था। प्रसव के बाद से ही उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई थी। अरुणिमा बा मूल रूप से सिमडेगा जिले के रेंगारिह थाना क्षेत्र के पाईकपारा डेल्याटोली की निवासी थी। वर्तमान वो अपने पति गुलशन बा के साथ सिमडेगा जिला के ही ठेठईटांगर के ताराबोगा गिरजाटोली में रहती थी। मृतका अरुणिमा के दो नवजात बच्चे रांची के अस्पताल में भर्ती हैं। उनके तीन नवजात बेटों में से दो की स्थिति भी नाजुक बनी हुई है। उनका इलाज वर्तमान में

रांची के कटहल मोड़ स्थित एक निजी हॉस्पिटल में चल रहा है। अरुणिमा आर्थिक तंगी और राशन कार्ड में नाम ना होने की समस्या से जूझ रही थी। परिवार आर्थिक रूप से काफी कमजोर है। राशन कार्ड में नाम नहीं होने से सरकारी सहायता प्राप्त करने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पति गुलशन बा इस पत्नी के शव को रांची से अपने पैतृक गांव लाने के लिए एंबुलेंस की व्यवस्था करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

23 नवंबर को ऑपरेशन के बाद तीनों बच्चों का जन्म हुआ है। उसके बाद से ही डॉक्टर ने बताया कि किडनी आदि में इन्फेक्शन फैला हुआ है। जिसका इलाज किया जा रहा था और अंततः उसकी मृत्यु हो गई। वहीं तीन में से दो बच्चों की हालत भी नाजुक बनी हुई है। दोनों की धड़कने कम चल रही है। उन्हें दूसरे अस्पताल में एडमिट किया गया है : गुलशन बा, अरुणिमा के पति

परिवार वालों ने लगाई मदद की गुहार : परिवार ने स्थानीय प्रशासन और समाजसेवियों से इस मुश्किल समय में मदद की गुहार लगाई है। जिससे कि शव को सम्मानजनक तरीके से गांव लाया जा सके और नवजात बच्चों का उचित इलाज सुनिश्चित हो सके। अरुणिमा के परिवार वालों ने स्थानीय प्रशासन और दानदाताओं से अनुरोध किया है कि आर्थिक सहायता के लिए आगे आएं। फिलहाल विशेष रूप से शव वाहन की व्यवस्था और दोनों बीमार नवजात शिशुओं के इलाज के लिए तत्काल मदद की आवश्यकता है।

पीड़ित परिवार से संपर्क किया जा रहा है। महिला के शव को लाने सहित अन्य हर संभव मदद किये जाएंगे : **दीपांकर चौधरी, उपविकास आयुक्त**

रांची, अगहन, शुक्ल पक्ष, अष्टमी 2082 | शुक्रवार, 28 नवंबर 2025, मूल्यः ₹2, वर्ष : 7, अंकः 14 | RNI NO : JHABIL/2019/85684 | TOTAL PAGE-08 | www.gandivlive.com

Gandivaranchi

बिरसा का गांडीव

सीएम हेमंत सोरेन ने 8792 अभ्यर्थियों को सौंपा नियुक्ति पत्र, कहा

राज्य को अपने हाथों से सजाना-संवारना है

- 2020 से 2024 के कालखंड में 24 से 25 हजार सरकारी पदों पर नियुक्ति हुई
- शिक्षक नियुक्ति में 40 % और जेपीएससी में 30 % महिलाओं की भागीदारी है
- पूरी ईमानदारी से सीजीएल की परीक्षा कराई गई, इसमें भी हम पाक-साफ होंगे

GANDIV REPORTER

रांची। हेमंत सरकार के नेतृत्व में नियुक्तियों का कारवां बढ़ चला है। शुक्रवार को राजधानी रांची के मोरहाबादी मैदान में सीएम हेमंत सोरेन ने 8792 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपा। इसमें उपसमाहर्ता, पुलिस उपाधिक्षक, काराधीक्षक, झारखंड शिक्षा सेवा, जिला समादेष्टा, श्रम अधीक्षक,

प्रोबेशन पदाधिकारी, निरीक्षक उत्पाद, दंत चिकित्सक, सहायक आचार्य और कीट पालक शामिल हैं। सीएम ने आज लगभग 9000 को नियुक्ति पत्र सौंपा जा रहा है। इस साल सरकारी पदों पर 16 हजार की नियुक्ति हुई है। गैर सरकारी में आठ हजार लोगों को रोजगार दिया गया। वर्ष 2020 से 2024 के कालखंड में 24 से 25 हजार सरकारी नियुक्ति हुई। 28 हजार की नियुक्ति गैर सरकारी प्रतिष्ठानों और कंपनियों में हुई। राज्य के हर कोने में बसने वाले हर व्यक्ति, हर वर्ग के साथ आने वाली पीढ़ी के लिए आए दिन कुछ न कुछ नए सौगात के साथ लोगों के बीच जाते हैं।

सीएम ने विपक्ष पर भी निशाना साधा, कहा कि विपक्ष लगातार हमारी कार्यशैली पर सवाल करते थकता नहीं है। कोर्ट कहचरी में हमारे कार्यों को बाधित करता है। ऐसे कई गिरोह शामिल हैं जो नौजवानों के भविष्य के साथ कामों को बाधित करने में लगे रहते हैं।

वर्तमान सरकार शिद्दत और पारदर्शिता के साथ नौजवानों के भविष्य को गढ़ने में लगी है। सीएम ने मंच से ही नवनियुक्त अभ्यर्थियों से पूछा कि क्या किसी की नियुक्ति पैसा-पैरवी से हुई है। जवाब मिला नहीं।।। सीएम ने अभ्यर्थियों से कहा कि क्षमता और योग्यता के आधार पर आपको जगह मिली है। सरकार पढ़े-लिखे, कम पढ़े लिखे और जो पढ़े लिखे नहीं हैं सभी के प्रति संवेदनशील हैं। विपक्ष इसकी नियुक्ति को लेकर 50 सवाल खड़े करते हैं। पूरी ईमानदारी से सीजीएल की परीक्षा कराई गई। उसमें भी हम पाक-साफ होंगे।

नियुक्ति पाने वालों का ताउम्र सरकार से जुड़ा रहेगा संबंध : सीएम ने कहा कि नियुक्ति पाने वालों का आज के बाद से ताउम्र सरकार से संबंध जुड़ा रहेगा। एक राजनेता होने के बाद इतनी संख्या में लोग आए हैं कि आमसभा में भी इतनी संख्या नहीं होती। दिशोम गुरु शिबू सोरेन को याद करते हुए कहा कि राज्य के मार्गदर्शक, छांव रूपी विशाल वृक्ष दिशोंम गुरु आज हमलोगों के बीच नहीं हैं। आज वे होते तो उनको काफी खुशी होती। फिर कहा कि 25 साल के इस युवा राज्य में इतनी बड़ी नियुक्ति किसी भी कार्यकाल में नहीं देखी। इस दौरान कैबिनेट मंत्री राधाकृष्ण किशोर, डॉ इरफान अंसारी, योगेंद्र प्रसाद, शिल्पी नेहा तिर्की, संजय प्रसाद, सुदिव्य कुमार सोनू, दीपिका पांडेय सिंह, हफीजुल अंसारी, चमरा लिंडा, दीपक बिरूआ, सांसद महुआ मांझी, विधायक कल्पना सोरेन सहित अन्य मौजूद रहे।

नेक प्रयास का असर चौतरफा दिख रहा

सीएम ने कहा कि 50 लाख महिलाओं को अपने पैरों पर खड़ा करने के लिए उन्हें मंईयां सम्मान योजना से जोड़ा। मंईयां सम्मान योजना का लाभ लेकर महिला पदाधिकारी भी बनी। नेक प्रयास का असर चौतरफा दिख रहा है। शिक्षक नियुक्ति में 40 फीसदी महिलाओं को जगह मिली है। जेपीएससी में 30 फीसदी महिलाओं की भागीदारी है। इस राज्य को अपने हाथों से सजाना और संवारना है। हमारे पूर्वजों और वीर सपूतों ने खून से सींच कर राज्य दिया है। पूरे राज्य की जिम्मेवारी सभी के कंधों पर है। आज जो पदाधिकारी चुने गए हैं वे जिस जिले में जाएं और इस संकल्प के साथ जाएं कि वहां उन्हें एक नौजवान को अपने जैसा बनाना है।

शिक्षा के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर कर रहे हैं बदलाव

सीएम हेमंत ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर बदलाव कर रहे हैं। 80 उत्कृष्ट विद्यालय, 10 डिग्री कॉलेज, आठ नर्सिंग कॉलेज, छह मेडिकल कॉलेज और छह इंजीनियरिंग कॉलेज बने हैं। काफी तेजी से बदलाव हो रहा है। इस पर तेजी से कदम बढ़ाना होगा। ज्योति बा फूले को याद करते हुए सीएम ने कहा कि नेक ईरादा हो तो हर कठिनाई और तुफान को पार कर सकते हैं। कई झंझावतों के बावजूद इतनी बड़ी संख्या में नियुक्ति हुई है।

हरमू रोड स्थित प्लास्टिको वर्ल्ड की बिल्डिंग में लगी भीषण आग

GANDIV REPORTER

रांची। रांची के हरमू रोड स्थित प्लास्टिको वर्ल्ड नाम की एक दुकान की बिल्डिंग में गुरुवार की देर रात करीब एक बजे अचानक भीषण आग लग गई। इस घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।जब स्थानीय लोगों ने दुकान के मुख्य दरवाजे से आग की ऊंची-ऊंची लपटें उठती देखीं, तो उन्होंने तुरंत फायर ब्रिगेड को घटना की जानकारी दी। लेकिन दमकल की गाड़ी को मौके पर पहुंचने में करीब आधे घंटे का समय लगा।

इस दौरान स्थानीय लोगों ने सक्रियता दिखाई और अपने स्तर पर आग बुझाने की कोशिश की।

उनके अथक प्रयास से दमकल के पहुंचने से पहले ही आग पर लगभग काबू पा लिया गया। लेकिन इस अगलगी में काफी नुकसान पहुंचा और दुकान के आगे गेट पर खड़ी बाइक-स्कूटी समेत अन्य सामान पूरी तरह जलकर राख हो गए।

प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, इस अगलगी में लाखों रुपये का नुकसान हुआ है।फिलहाल आग लगने का स्पष्ट कारण पता नहीं चल पाया है। आशंका जताई जा रही है कि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी होगी। घटना की सूचना कोतवाली थाना पुलिस को भी दे दी गई है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना का जायजा लिया है और वह पूरे मामले की जांच कर रही है, ताकि आग लगने के वास्तविक कारणों का पता चल सके और नुकसान का सही आकलन किया जा सके।

उडुपी में पीएम ने एक लाख लोगों संग किया गीता पाठ, बोले

गीता से मिलती है एनर्जी

GANDIV REPORTER

उडुपी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को उडुपी में श्री कृष्ण मठ में लक्ष कंठ गीता पारायण कार्यक्रम शामिल हुए। उन्होंने भगवत गीता के श्लोक पढ़ने के बाद भारतीय जनता पार्टी की पिछली पार्टी, जनसंघ के गुड गवर्नेंस मॉडल की तारीफ की। वहीं, इससे पहले पीएम मोदी ने कार्यक्रम के दौरान एक लाख से ज्यादा लोगों के साथ एक सुर में भगवत गीता पढ़ी, जिसमें छात्र, साधु, विद्वान और अलग-अलग तरह के लोग शामिल हुए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने कर्नाटक के पूर्व विधायक वीएस आचार्य के उडुपी में किए गए काम को याद किया। उन्होंने कहा कि उडुपी आना मेरे लिए बहुत खास है। उडुपी जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी के अच्छे शासन के मॉडल की कर्मभूमि रही है। 1968 में, उडुपी के लोगों ने जनसंघ के वीएस आचार्य को उडुपी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के लिए चुना था। इसके साथ ही, उडुपी ने एक

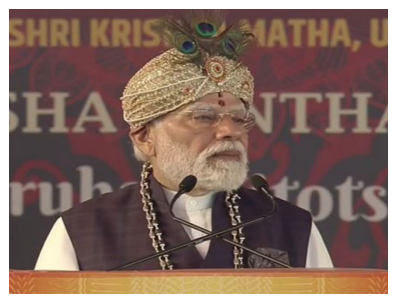

नए शासन मॉडल की नींव रखी। आज हम जो सफाई अभियान देख रहे हैं, उसे उडुपी ने पांच दशक पहले अपनाया था। उडुपी ने 70 के दशक में पानी की सप्लाई और ड्रेनेज सिस्टम का एक मॉडल बनाना शुरू किया था।

उन्होंने कहा कि तीन दिन पहले, मैं गीता की धरती कुरुक्षेत्र में था, और आज मैं भगवान कृष्ण के आशीर्वाद के साथ जगद्गुरु माधवाचार्य की धरती पर आ रहा हू, जिससे मुझे बहुत खुशी मिली है। मेरा जन्म गुजरात में हुआ था, और गुजरात और उडुपी का गहरा रिश्ता रहा है। ऐसा माना जाता है कि द्वारका में माता रुमिनी भगवान कृष्ण की मूर्ति की पूजा करती थीं, जिसे बाद में जगद्गुरु माधवाचार्य ने यहां स्थापित किया था।

मन और शरीर को मिलती है नई ताकत

उन्होंने आगे कहा कि दुनिया ने भारत की दिव्यता देखी, जब एक लाख लोगों ने भगवत गीता के श्लोक पढ़े। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब एक लाख लोग श्लोक पढ़ते हैं और दिव्य शब्द एक जगह गूंजते हैं, तो जो एनर्जी निकलती है, वह हमारे मन और शरीर को नई ताकत देती है। यह एनर्जी आध्यात्मिकता और सामाजिक एकता के पीछे की शक्ति है। गुजरात में उडुपी और द्वारका के बीच कनेक्शन बताते हुए, पीएम मोदी ने मठ के संस्थापक जगद्गुरु माधवाचार्य की तारीफ की।

कोयला सचिव धनबाद पहुंचे, बेलगड़िया को मॉडल टाउनशिप बनाने की तैयारी तेज

GANDIV REPORTER

धनबाद। कोयला सचिव विक्रम देव दत्त दो दिवसीय दौरे पर धनबाद पहुंचे। यहां उन्होंने झरिया पुनर्वास एवं विकास प्राधिकार (जेआरडीए) के अधिकारियों के साथ पुनर्वास व विकास योजनाओं पर अहम बैठक की। बैठक में झरिया क्षेत्र से विस्थापित परिवारों के पुनर्वास, सुविधाओं की उपलब्धता और लंबित परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।

कोयला सचिव ने कहा कि पुनर्वास की योजनाएं प्रभावित लोगों के लिए महत्वपूर्ण हैं। इसलिए इसे पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पूरा करें। बैठक के बाद उन्होंने बेलगड़िया क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने पुनर्वास कॉलोनी और विकास कार्यों का जमीनी निरीक्षण किया। बेलगड़िया टाउनशिप में चल रहीं विकास परियोजनाओं का जायजा लिया।

इस दौरान कोयला सचिव ने बेलगड़िया टाउनशिप में नवनिर्मित पुलिस स्टेशन और जेआरडीए कार्यालय का उद्घाटन किया। इसके अलावा स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दर्जनों युवाओं को ई-रिक्शा भी वितरित किए। उन्होंने टाउनशिप में रह रहे विस्थापित परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और हर संभव समाधान का आश्वासन दिया।

तेजस पूरी तरह सेफ, बेस्ट फाइटर : एचएएल

GANDIV REPORTER

नई दिल्ली। दुबई एयर शो में तेजस फाइटर एयरक्राफ्ट हादसे के बाद हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के चेयरमैन और एमडी डीके सुनील का बहुत ही सकारात्मक बयान आया है। उन्होंने कहा है कि तेजस के साथ किसी तरह की कोई दिक्कत नहीं है और यह पूरी तरह से सुरक्षित जेट है। उन्होंने कहा है कि इसका सेफ्टी रिकॉर्ड दुनिया में बेहतरीन है। उनके अनुसार दुबई में जो कुछ हुआ वह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी। एएनआई नेशनल सिक्योरिटी समिट में शुक्रवार (28 नवंबर, 2025) को एचएएल चीफ डीके सुनील ने कहा स्वदेशी फाइटर जेट तेजस के साथ किसी तरह की कोई भी दिक्कत नहीं है और यह पूरी तरह से सुरक्षित है। उन्होंने कहा, तेजस में कोई समस्या नहीं है, यह पूरी तरह सुरक्षित है और इसका

सेफ्टी रिकॉर्ड दुनिया में सबसे अच्छा है। आपने जो दुबई में देखा वह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी।

21 नवंबर को दुबई एयर शो के दौरान भारतीय वायु सेना का एक लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट तेजस परफॉर्मेंस के दौरान ही क्रैश कर गया, जिसमें पायलट की भी मौके पर ही जान चली गई। हादसे का कारण जानने के लिए इंडियन एयर फोर्स ने जांच बिठायी है, जिसकी रिपोर्ट का इंतजार है।

तेजस पर हमें गर्व होना चाहिए

उन्होंने आगे कहा कि इस घटना से तेजस के भविष्य पर कोई असर नहीं पड़ेगा और साथ ही उन्होंने स्वदेश में बन रहे 4.5वीं पीढ़ी के इस विमान को गर्व का विषय बताया है। उनके अनुसार, ह्यमुझे लगता है कि जैसे-जैसे देश आगे बढ़ते हैं, वे अपनी टेक्नोलॉजी डेवलप करते हैं, हम भी अलग-अलग चरणों से गुजरते हैं। हमारे पास यह नवीनतम क्षमता वाला 4.5वीं पीढ़ी का विमान था। यह एक शानदार सफलता है और हम सब को इस पर गर्व होना चाहिए। एचएएल के चीफ ने साफ तौर पर कहा कि मुझे लगता है कि कुछ लोग हमेशा बुराई करते रहेंगे और सवाल उठाते रहेंगे,पर यह हमें और मजबूत होने से नहीं रोक सकेगा। मैं आपको पूरा विश्वास दिला सकता हूं कि यह पूरी तरह से सुरक्षित विमान है और इससे तेजस के भविष्य पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। वे बोले, हम दुनिया को तेजस निर्यात करेंगे। उन्होंने इसके ऑर्डर के बारे में आगे बताया कि तेजस का जल्द निर्यात होने वाला है और जैसे-जैसे इसके निर्माण कैपिसिटी बढ़ेगी, इसका बाजार बन जाएगा। उन्होंने कहा, हमारे पास 180 विमानों का ऑर्डर है और हमारे पास इसका एक एक्सपोर्ट मार्केट होगा। डीके सुनील के अनुसार, ह्यहमें ग्लोबल बनना है, यह सरकार की नीति है। इसका एक्सपोर्ट भारत सरकार और कंपनी के प्रयासों का परिणाम है। यह उस क्षमता का तार्किक विस्तार है, जिसे हम बना रहे हैं।

अनंत संभावनाओं के बीच अनंत चुनौतियां भी हैं, हेमंत के समक्ष

विजय केसरी
कथाकार स्तंभकार

2024 के संपन्न झारखंड विधानसभा चुनाव में एक नया चेहरा कल्पना सोरेन के रूप में उभर कर सामने आया था । उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज की और झारखंड के मतदाताओं को अपने पक्ष में करने में सफल रहीं । इसका लाभ झारखंड मुक्ति मोर्चा को जीत के रूप में मिला । कल्पना सोरेन, हेमंत सोरेन के लिए एक मजबूत पार्टी कार्यकर्ता मिल गईं। वह देखते ही देखते झारखंड मुक्ति मोर्चा की एक स्टार प्रचारक भी बन गईं। हेमंत सोरेन ने चंपई सोरेन पर भरोसा कर एक राजनीतिक भूल की थी।

28 नवंबर को हेमंत सोरेन अपने दूसरे मुख्यमंत्रित्व कार्यकाल के एक वर्ष पूरा कर दूसरे वर्ष में प्रवेश करने जा रहे हैं। वे आज के ही दिन झारखंड के 14 वें मुख्यमंत्री के रूप रांची के मोराबादी मैदान में एक भव्य समारोह में शपथ लिए थे । उन्होंने झारखंड के 25 वर्ष पूरा होने पर ह्यअनंत विकास की संभावनाओंह्ल से संबंधित कई बड़े-बड़े पोस्टरों के माध्यम से प्रांत के तीव्र गति से विकास करने की घोषणा की थी। यह झारखंड प्रांत के लिए एक अच्छी खबर है। वही हेमंत सोरेन को यह कदापि नहीं भूलना चाहिए कि जहां उन्होंने अनंत विकास की संभावनाओं की बात कही है, वहीं दूसरी ओर इस प्रांत में अनंत चुनौतियां भी उनके समक्ष हैं। राज्य में बढ़ती बेरोजगारी, पलायन, कनेक्टिविटी की समस्या, अपराध, खस्ताहाल झारखंड की सड़के, झारखंड के बेहाल सरकारी अस्पताल, सिंचाई की घोर समस्या, बाधित विद्युत आपूर्ति आदि अनन्त चुनौतियां भी हैं, जिसे सिर्फ घोषणाओं से पूरी नहीं की जा सकती है। इन चुनौतियां के समाधान के लिए एक योजना बद्ध तरीके से कार्य करने की जरूरत है। इसके लिए सरकार के पास दृढ़ इच्छा शक्ति और मजबूत कार्य योजना पर चलने की जरूरत है। तभी इन अनंत चुनौतियों को अनंत विकास की संभावनाओं में तब्दील किया जा सकता है।

देखते ही देखते एक हेमंत सोरेन सरकार का वर्ष बीत गया। शेष चार वर्ष और भी बीत जाएंगे। फिर चुनाव का सिलसिला शुरू हो जाएगा। तब फिर कोई न कोई नई सरकार झारखंड के मुख्यमंत्री के रूप में अस्तित्व में आएगी। अगर हेमंत सोरेन का शेष कार्यकाल झारखंड के विकास की दिशा में कुछ करिश्मा कर दिखाया तो वापसी निश्चित है। अन्यथा विपक्ष भी पूरी एड़ी चोटी लगाकर हेमंत सोरेन को गद्दी से उतरने में लगा हुआ है। हेमंत सोरेन चुनाव से पूर्व झारखंड की जनता से कई वादे किए थे। उन्होंने कहा था कि झारखंड खुद रोजगार सृजन करेगा । राज्य से पलायन नहीं होने देंगे। राज्य में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देंगे। झारखंड की तस्वीर बदल कर रख देंगे। उन्होंने अपनी ओर से यह पूरी कोशिश की है कि अधिक से अधिक बेरोजगार झारखंडियों को सरकारी नौकरी मिले। इस निमित्त उन्होंने कई अवसरों पर झारखंड के बेरोजगारों को सीधे नियुक्ति पत्र प्रदान पत्र किया । अब सवाल यह उठता है कि जितनी संख्या में झारखंड प्रांत में बेरोजगारी बढ़ती चली जा है, क्या उस अनुपात में नौकरियां लोगों मिलीं हैं ? राज्य सरकार द्वारा दी गई नौकरियां ऊंट के मुंह में जीरा का फौरन के समान है।

वहीं दूसरी ओर झारखंड से पलायन बदस्तूर जारी है। इस प्रांत के लाखों की संख्या लोग में देश के विभिन्न प्रांतों में

छोटी-छोटी नौकरियों कर जीविकोपार्जन करने के लिए विवश हैं। यह सच है कि देश का लगभग चालीस प्रतिशत खनिज संपदा झारखंड के पास अकेले हैं। झारखंड से खनिज संपदा के दोहन से देश के दूसरे अन्य राज्य मालामाल हो रहे हैं। लेकिन झारखंड का राजकोषीय घाटा बढ़ता ही चला जा रहा है।

2024 के संपन्न झारखंड विधानसभा चुनाव में एक नया चेहरा कल्पना सोरेन के रूप में उभर कर सामने आया था । उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज की और झारखंड के मतदाताओं को अपने पक्ष में करने में सफल रहीं । इसका लाभ झारखंड मुक्ति मोर्चा को जीत के रूप में मिला । कल्पना सोरेन, हेमंत सोरेन के लिए एक मजबूत पार्टी कार्यकर्ता मिल गईं। वह देखते ही देखते झारखंड मुक्ति मोर्चा की एक स्टार प्रचारक भी बन गईं। हेमंत सोरेन ने चंपई सोरेन पर भरोसा कर एक राजनीतिक भूल की थी। चंपई सोरेन के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद उन्होंने भारतीय जनता पार्टी का हाथ थाम लिया था। तब लगा था कि झारखंड मुक्ति मोर्चा को इसका नुकसान भुगतना पड़ेगा, लेकिन कल्पना सोरेन ने ऐसा होने नहीं दिया । उन्होंने बहुत ही मजबूती के साथ हेमंत सोरेन का पक्ष रखा कि कैसे ईडी केंद्र सरकार के इशारे पर उनके पति हेमंत सोरेन पर बर्बरता पूर्ण कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया था। इस बात की सहानुभूति अर्जित करने में कल्पना सोरेन सफल रहीं। चंपई सोरेन के झारखंड मुक्ति मोर्चा छोड़ने का कोई भी नुकसान पार्टी को नहीं हुआ बल्कि पार्टी और भी मजबूती के साथ स्थापित होती चली गई। झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक अस्वस्थ रहने के कारण विधानसभा चुनाव में हेमंत सोरेन का साथ नहीं दे पाए थे । वे बराबर बीमारी रह रहे थे। इसके बावजूद हेमंत सोरेन प्रांत के चौदहवें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लिए। कुछ ही महीने बीते थे कि शिबू सोरेन इस दुनिया से चले गए। हेमंत सोरेन ने अपने पिता के निधन के बाद एक कर्तव्यनिष्ठ पुत्र की तरह उनका क्रिया कर्म किया। इसका उन्हें राजनीतिक माइलेज भी मिला। सहानुभूति भी मिली।

2024 के विधानसभा चुनाव से पूर्व सीता सोरेन जो हेमंत सोरेन की अपनी भाभी भी हैं,झारखंड मुक्ति मोर्चा छोड़ दिया और भारतीय जनता पार्टी का हाथ थाम लिया था। तब भी लोगों को लगा था कि सीता सोरेन के झारखंड मुक्ति मोर्चा छोड़ने से पार्टी को काफी नुकसान होगा, लेकिन जिस रूप में झारखंड मूर्ति मोर्चा ने विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज की उससे प्रतीत होता है कि सीता सोरेन के पार्टी छोड़ने से कुछ भी फर्क नहीं पड़ा। चूंकि कल्पना सोरेन के रूप में एक बहुत ही मजबूत साथी झारखंड मुक्ति मोर्चा को मिल गया था। कल्पना सोरेन, हेमंत सोरेन की पत्नी हैं। उन पर पूरी तरह विश्वास किया जा सकता है । हेमंत सोरेन ने कल्पना सोरेन पर भरोसा कर बड़ा अच्छा निर्णय लिया। अगर हेमंत सोरेन जेल नहीं गए होते तब शायद जिस रूप में कल्पना सोरेन, झारखंड मुक्ति मोर्चा के लिए उभर कर सामने आईं, शायद नहीं आ पातीं। झारखंड सरकार के लिए हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन की जोड़ी बहुत लोकप्रिय हो रही है। लेकिन यह जोड़ी झारखंड से अपराध को कम करने में पूरी तरह असफल रह रही है। यह बेहद चिंता की बात है।

किसी भी राज्य के विकास के लिए शांत माहौल होना बहुत जरूरी है। अन्यथा नए उद्यमी झारखंड में उद्योग लगाएंगे कैसे ? हेमंत सोरेन सरकार को इस पर ध्यान देने की जरूरत है । झारखंड में बढ़ते अपराध को देखकर लोगों को यहां आने में डर लगने लगता है ।आए दिन डकैती, लूट पाट,चोरी, मर्डर की बातें आम हो गई हैं । इसलिए सबसे पहले अपराध पर अंकुश लगाना हेमंत सोरेन सरकार की सबसे बड़ी चुनौती है। झारखंड में महागठबंधन की सरकार है। हेमंत सोरेन महागठबंधन की सरकार चलाने में सफल जरूर हुए हैं। उन्होंने महा गठबंधन का विकास भी पूरी तरह प्राप्त कर लिया है। लेकिन गठबंधन में शामिल मंत्रियों के बयान आए दिन हेमंत सोरेन सरकार के लिए परेशानी का सबब बनते चले जा रहे है । यह हेमंत सोरेन सरकार की सेहत के लिए अच्छी बात नहीं है । पिछले दिनों एस आई आर के मामले में प्रांत के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने बीएलओ के कर्मचारियों के प्रति जिस तरह का गैर जिम्मेदाराना बयान दिया है, झारखंड सरकार को ही कटघरे में खड़ा कर दिया है। हेमंत सोरेन सरकार को अगर अपना शेष कार्यकाल पूरा करना है, तो उन्हें सबसे पहले अपने मंत्रियों के वक्तव्य पर लगाम लगाना बहुत जरूरी है । अन्यथा हेमंत सोरेन सरकार में शामिल मंत्रियों के बयान सरकार के लिए भस्मासुर साबित होकर रहेंगे। हेमंत सोरेन सरकार को कदापि यह नहीं भूलना चाहिए कि 2024 झारखंड विधानसभा चुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा सबसे बड़ी पार्टी के रूप में विजय दर्ज कर परचम लहराने में सफल हुआ था । क्या आगे भी सफल रहेगा ?

बच्चों की सुरक्षा के प्रति बढ़ती चिंता

लालजी जायसवाल

हमारे देश में हर साल बड़ी संख्या में बच्चों के लापता होने की घटना सामने आ रही है। उच्चतम न्यायालय में इसी से संबंधित एक मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति नागरत्ना ने मौखिक रूप से कहा, ह्यमैंने समाचार पत्र में पढ़ा है कि देश में हर आठ मिनट में एक बच्चा लापता हो जाता है।ह्ल शीर्ष अदालत ने टिप्पणी की कि गोद लेने की प्रक्रिया कठोर होने के कारण, इसका उल्लंघन होना स्वाभाविक है और लोग बच्चे पैदा करने के लिए अवैध तरीके अपनाते हैं। सुनवाई के दौरान, केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सालिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने लापता बच्चों के मामलों को देखने के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने हेतु छह सप्ताह का समय मांगा। मालूम हो कि पीठ ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया था कि वह सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को लापता बच्चों के मामलों को देखने के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की तरफ से संचालित मिशन वात्सल्य पोर्टल पर प्रकाशन के लिए उनके नाम और संपर्क विवरण उपलब्ध कराने का निर्देश दे। पीठ ने निर्देश दिया था कि जब भी पोर्टल पर किसी लापता बच्चे के बारे में कोई शिकायत प्राप्त हो, तो जानकारी संबंधित नोडल अधिकारियों के साथ तुरंत साझा की जानी चाहिए।

आनलाइन पोर्टल : शीर्ष अदालत ने पहले केंद्र से लापता बच्चों का पता लगाने और ऐसे मामलों की जांच के लिए गृह मंत्रालय के तत्वावधान में एक समर्पित आनलाइन पोर्टल बनाने को कहा था। पीठ ने देश के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लापता बच्चों का पता लगाने के काम में लगे पुलिस अधिकारियों के बीच समन्वय की कमी को रेखांकित किया था। अदालत ने कहा था कि पोर्टल पर प्रत्येक राज्य से एक समर्पित अधिकारी का नाम-फोन नंबर आदि हो सकता है जो सूचना प्रसारित करने के अलावा गुमशुदगी की शिकायतों का प्रभारी भी हो सकता है। बता दें कि पूर्व में एक एनजीओ ने शीर्ष अदालत का रुख किया था और अपहरण किए जा चुके या लापता बच्चों के अनसुलझे मामलों के अलावा भारत सरकार की तरफ से निगरानी किए जाने वाले खोया/पाया पोर्टल पर उपलब्ध जानकारी के आधार पर की जाने वाली कार्रवाई पर प्रकाश डाला था।

लापता बच्चों की संख्या : देश में बच्चों का गायब होना चिंताजनक है। बच्चों के लापता होने के कई कारण हैं, जिनमें अपराध, तस्करी, हत्या और देह व्यापार आदि की आशंकाएं प्रबल हैं। इसमें प्रशासनिक लापरवाही एक बड़ा कारण हो सकती है, जिसमें सुधार की आवश्यकता हमेशा देखी जाएगी। भारत में गुमशुदा या लापता बच्चों की संख्या बहुत ज्यादा है। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के अनुसार, हर साल मानव तस्करी में लगातार बढ़ोतरी होती जा रही है। विधि आयोग द्वारा न्यायिक नीति पर जारी संक्षिप्त पुस्तक में भी इस समस्या पर प्रकाश डाला गया है। इस क्षेत्र में सबसे पहले लापता बच्चों का सुराग लेने और तस्करी से जुड़े सभी संपर्कों के लिए कानूनी बदलाव की तुरंत आवश्यकता है। वर्ष 2013 और 2014 के बीच कम से कम 6,700 बच्चे लापता हुए। इनमें से 45 प्रतिशत बच्चे अवयस्क थे, जिन्हें वेश्यावृत्ति के धंधे में धकेल दिया गया।

राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के अनुसार, मानव तस्करी के पीछे अनेक कारण होते हैं। जबरन विवाह, बाल श्रम, घरेलू नौकर और लैंगिक शोषण इसके पीछे मुख्य कारण हैं। बच्चों की सुरक्षा किसी राष्ट्र के नैतिक मूल्यों से जुड़ी होती है। भारत को भी इस मोर्चे पर सुधार की जरूरत है। वर्ष 2024-25 में लगभग 45 हजार बच्चों को शोषण से बचाया गया है। इनमें से 90 प्रतिशत को बालश्रम में लगाया गया था। एनसीआरबी के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, 47 हजार से अधिक बच्चे लापता सूची में हैं। इनमें से 71.4 प्रतिशत नाबालिग लड़कियां हैं।

जारी

झारखंड

बोकारो में गैस रिसाव को लेकर मॉक ड्रिल का आयोजन, डीसी बोले

पूरे पूर्वी भारत की एक प्रमुख औद्योगिक इकाई है बीएसएल

GANDIV REPORTER

बोकारो। बीएसएल में गैस रिसाव को लेकर वृहद पैमाने पर मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। जिसमें बीएसएल के कई विभागों जैसे गैस सेफ्टी (इएमडी), सेफ्टी, ब्लास्ट फर्नेस, प्लांट कंट्रोल, चिकित्सा सेवाएं, बीएसएल सिक्योरिटी इत्यादि के अलावा सीआईएसएफ, जिला प्रशासन और एनडीआरएफ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गैस रिसाव के किसी आपदा में तैयारियों का जायजा लेने के लिए किए गए इस मॉक ड्रिल में ऐसी आपदा से निपटने के लिए परिचालनीय तैयारी, त्वरित प्रक्रिया का समय, संबंधित एजेंसियों को दुर्घटना संबंधी सूचना की सम्प्रेषणीयता, चिकित्सीय व्यवस्था की मुस्तैदी और एकाधिक

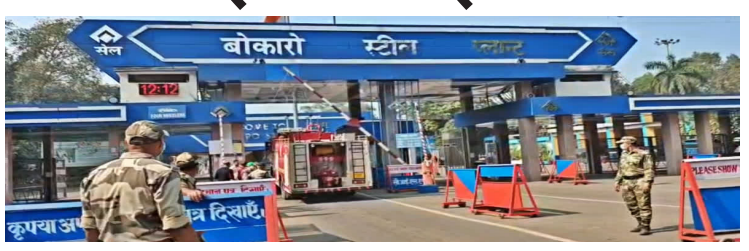

एजेंसियों के शामिल रहने की स्थिति में उनके बीच के समन्वय और कमान श्रृंखला जैसे कई पहलुओं की परख हुई ताकि समय आने पर बचाव अभियान सुचारू रूप से सफल हो सके। मॉक ड्रिल लगभग डेढ़ घंटे तक चली।

मॉक ड्रिल में इस तरह की आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयारी के सभी प्रमुख बिंदु संतोषजनक पाए गए। मॉक ड्रिल के दौरान चिन्हित स्थानों पर नियुक्त पर्यवेक्षकों ने मॉकड्रिल के परिणामों की चर्चा के लिए बुलाई बैठक में अपने अवलोकनों को एक दूसरे के साथ साझा किया। इस मॉक ड्रिल के दौरान बोकारो इस्पात संयंत्र तथा जिला प्रशासन के सभी वरीय अधिकारी उपायुक्त अजय नाथ झा, पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह, अधिशासी निदेशक (वर्क्स) प्रिय रंजन, अधिशासी निदेशक (ऑपरेशन) अनूप कुमार दत्त, डीडीसी शताब्दी मजूमदार, एसडीएम चास प्रांजल ढाडा सहित बोकारो इस्पात संयंत्र एवं जिला प्रशासन के अन्य वरीय अधिकारी घटना की तैयारी के लिए बने इंसिडेंट पोस्ट पर मौजूद रहे।

बता दें, कि बोकारो इस्पात संयंत्र झारखंड ही नहीं बल्कि पूरे पूर्वी भारत की एक प्रमुख औद्योगिक इकाई है। इस्पात संयंत्र होने के नाते ये एक थर्मो-सेंसिटिव इकाई है, जहां रसायनिक खतरों के तत्व विद्यमान होते हैं। इसी के मद्देनजर एनडीआरएफ समय समय पर यहां सीबीआरएन मॉक ड्रिल अभियान चलाती रहती है। 2023 के बाद लगभग 2 सालों के अंतराल पर गुरूवार को दोबारा इस सीबीआरएन मॉक ड्रिल का आयोजन जिला प्रशासन के सहयोग से किया गया।

ई-रिक्शा में घूम-घूम कर बेच रहा था ब्राउन शुगर, पुलिस ने धर दबोचा

GANDIV REPORTER

पाकुड़। शहरी क्षेत्र में ई रिक्शा से घूम-घूम कर ब्राउन शुगर बेचने वाले एक कारोबारी को नगर थाने की पुलिस ने धर दबोचा है। पुलिस की कार्रवाई के दौरान शहरी क्षेत्र के अंबेडकर चौक के निकट सैकड़ों लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। पुलिस पकड़े गए कारोबारी को अपने साथ नगर थाना ले गयी जहां उससे कड़ी पूछताछ की जा रही है।

जानकारी देते हुए नगर थाना प्रभारी बबलू कुमार ने बताया कि सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति ई रिक्शा में घूम-घूम कर ब्राउन शुगर बेच रहा है। सुचना मिलने पर पुलिस ने प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी शंभू शरण दत्त के नेत्तृत्व में अभियान चलाया और ई रिक्शा से 13 पुड़िया ब्राउन शुगर की बरामद कीं। पुलिस ने ब्राउन शुगर बेचने वाले कारोबारी को गिरफ्तार कर लिया और ई रिक्शा को जब्त कर थाना ले गयी।

थाना प्रभारी ने बताया कि

इस कारोबार में और कौन-कौन लोग शामिल हैं, यह पूछताछ के बाद ही क्लियर हो पायेगा। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस नशा के खिलाफ अभियान चलाये हुए है और किसी भी नशे के कारोबार को पनपने नहीं दिया जायेगा। आरोपी नवयुवकों को नशे का आदि बनाने का काम करता था। उन्होंने बताया कि पूर्व में कोई नशे के कारोबारी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। इधर पुलिस द्वारा ब्राउन शुगर के कारोबारी को गिरफ्तार किये जाने को लेकर खासकर शहरी क्षेत्र के लोग पुलिस कार्रवाई की तारीफ करने के अलावा नशे के कारोबारियों पर पूरी तरह लगाम लगाने और युवापीढ़ी को नशे की लत से बचाने की बात कर रहे है।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत, परिजन सदमे में

GANDIV REPORTER

चाईबासा। पश्चिम सिंहभूम जिले के मंझारी प्रखंड के जलधर गांव में एक बाइक अनियंत्रित होकर खड़े ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान अमन गोप (19) के रूप में हुई है।

घटना के संबंध में बताया जाता है कि अमन और उसका साथी जलधर से मेला घूमकर लौट रहा था। तभी जलधर गांव के पास उनकी बाइक अनियंत्रित हो गई और एक सप्ताह से सड़क किनारे खड़े खराब ट्रक से टकरा गई, जिससे अमन गंभीर रूप से घायल हो गया।

जबकि उसके साथी को मामूली चोटें आई। दुर्घटना की आवाज सुनकर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और तुरंत उसे सदर अस्पताल चाईबासा पहुंचाया, जहां

प्राथमिक उपचार के दौरान अमन की मौत हो गई। इस हादसे में उनकी बाइक बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।

इधर घटना की जानकारी मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे और रो-रोकर बेहोश हो गए। युवक की अचानक मौत से गांव और आसपास के क्षेत्रों में शोक की लहर है। ग्रामीणों ने सड़क पर बिना चेतावनी संकेत के लंबे समय से खड़े ट्रक पर नाराजगी जताई है। वहीं पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

टाटानगर एक्सप्रेस में कचरा प्रबंधन की लापरवाही उजागर

GANDIV REPORTER

जमशेदपुर। टाटानगर-बक्सर एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 18183) में साफझसफाई व्यवस्था को लेकर गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया है।

सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में ओबीएचएस के कर्मचारी ट्रेन के अंदर जमा कचरे को निर्धारित तरीके से इकट्ठा करने के बजाय सीधे गेट से बाहर खुले में फेंकते दिखाई दे रहे हैं।

कचरा निपटान का यह तौर-तरीका न केवल रेलवे के नियमों के खिलाफ है, बल्कि पर्यावरण और यात्रियों की सुरक्षा के लिहाज से अत्यंत चिंताजनक माना जा रहा है।

वीडियो वायरल होने के बाद यात्रियों ने कड़ी नाराजगी जताई है और भारतीय रेलवे से बेहतर व्यवस्था की मांग की है। यात्रियों का कहना है कि लंबी दूरी की ट्रेनों में स्वच्छता बनाए रखना बेहद जरूरी है, लेकिन जमीनी स्तर पर कचरा प्रबंधन की व्यवस्था अभी भी बहुत कमजोर है।

यात्रियों ने दिए सुधार के सुझाव

- यात्रियों और जागरूक नागरिकों ने रेलवे से निम्नलिखित कदम तुरंत लागू करने की मांग की है।
- बड़े स्टेशनों पर 5-10 मिनट के लिए विशेष कचरा-संग्रहण दल तैनात किए जाएं, जो डिब्बों से कचरा निकालकर सुरक्षित स्थान पर डंप करें।
- ओबीएचएस स्टाफ को उचित प्रशिक्षण दिया जाए और उन्हें बड़ा कचरा बैग उपलब्ध कराए जाएं, ताकि कूड़ा एक ही स्थान पर इकट्ठा हो सके।
- ट्रेनों में लगे डस्टबिन नियमित अंतराल पर खाली किए जाएं और और साफ-सफाई का सख्ती से निरीक्षण हो।

RNI NO : JHABIL/2019/85684, Printed and Published by SHREE KANT SINGH on behalf of M/s PAHARI BABA VENTURES PVT LTD and Printed at KHABAR MANTRA PRESS, M/s VRINDA MEDIA PUBLICATIONS PVT LTD, Plot no-342,344 Chiroundi, Boreya Road, Ranchi, Jharkhand-834008 and Published at B-13, JP Market, Dhurwa, Ranchi-834004, Jharkhand, Ph.-06207706623. Editor- **Amarkant*** responsible for selection of news under the PRB Act.

नहाने के पानी में जरूर मिलाएं पांच चीजें, सुंदरता के साथ बढ़ेगा आपका सौभाग्य और आकर्षण

आज हम आपको कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताने वाले हैं जिन्हें पानी में मिलाकर नहाने से ना सिर्फ आपकी खूबसूरती में इजाफा होगा बल्कि ये आपके जीवन में गुड लक को भी अट्रैक्ट करने में मदद करेंगी। नहाना हमारे डेली रूटीन का एक बहुत ही अहम हिस्सा है। अब भले ही सर्दियों में लोगों का नहाना जरूर कुछ कम हो जाए लेकिन फिर भी हफ्ते में दो-चार बार थक हार कर बाथरूम का रुख लोग कर ही लेते हैं। खैर, नहाना महज शरीर की गन्दगी को साफ करने के लिए जरूरी नहीं बल्कि कहीं ना कहीं ये आपको मानसिक शांति और चीजों को बेहतर ढंग से समझने की शक्ति भी देता है। ज्योतिष और वास्तु में भी नहाने का बहुत ही महत्व बताया गया है। हमारे प्राचीन ग्रंथों में कुछ ऐसी चीजों का जिक्र है जिन्हें पानी में मिलाकर नहाने से सौभाग्य, खुशहाली और सुख-समृद्धि में बढ़ोतरी होती है। इतना ही नहीं ये सभी चीजें आपकी खूबसूरती और आकर्षण को बढ़ाने का भी काम करती हैं। तो चलिए आज इन्हीं के बारे में जानते हैं।

नहाने के पानी में मिलाएं चुटकी भर हल्दी

लगभग हर भारतीय रसोई में कुछ मिले या ना मिले, हल्दी तो जरूर मिल ही जाती है। ये सिर्फ खाने की रंगत और स्वाद बढ़ाने का ही काम नहीं करती बल्कि इसे आप अपने नहाने के पानी में भी मिला सकते हैं। कहते हैं कि पानी में चुटकी भर हल्दी मिलाकर नहाने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। इसके साथ ही हल्दी की प्यूरीफाइंग प्रॉपर्टीज हर तरह की नकारात्मक ऊर्जा को दूर करती है। अगर आप रोजाना पानी में हल्दी मिलाकर नहाते हैं तो ये आपकी त्वचा को साफ-सुथरा बनाने और उसकी रंगत निखारने में भी मदद करती है।

नीम वाले पानी से करें स्नान

अपने ढेरों गुणों के लिए चर्चित नीम को भी पानी में मिलाकर नहाने के कई फायदे हैं। नीम के एंटीबैक्टीरियल, एंटीफंगल और एंटीवायरल गुण शरीर को डीप क्लीन करने का काम करते हैं। साथ ही एलर्जी, खुजली या रैशेज जैसी अन्य स्किन प्रॉब्लम्स में भी काफी फायदेमंद है। इसके साथ ही ज्योतिष के अनुसार नीम के पानी से नहाने पर शरीर में नई और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और हर तरह की नेगेटिविटी दूर होती है। इसके लिए आप नहाने वाले पानी में नीम का तेल, पाउडर या कुछ पत्तियां मिला सकते हैं।

नहाने के पानी में मिलाएं तुलसी के पत्ते

तुलसी के पौधे का धार्मिक महत्व तो आपको पता ही होगा, साथ ही सेहत के लिए भी तुलसी के पत्ते किसी वरदान से कम नहीं। नहाने के पानी में यदि तुलसी के कुछ पत्ते या अर्क मिला दिया जाए, तो ये भी स्किन के लिए काफी फायदेमंद होता है। तुलसी के पत्तों में पाए जाने वाले एंटीबैक्टीरियल गुण, त्वचा संबंधी कई परेशानियों को खत्म करने में मददगार होते हैं। साथ ही ये स्ट्रेस लेवल को कम करने में भी काफी हेल्पफुल होता है। ज्योतिष के अनुसार तुलसी के पत्ते मिलाकर नहाने से नकारात्मकता दूर होती है और सौभाग्य में वृद्धि होती है।

गुलाब की पत्तियों को करें शामिल

नहाने के पानी में गुलाब की पत्तियों को मिलाना भी काफी फायदेमंद है। सदियों से गुलाब का इस्तेमाल इसके स्किनकेयर बेनिफिट्स के लिए होता रहा है। गुलाब की कुछ पंखुड़ियां पानी में मिलाकर नहाने से त्वचा तो कोमल और ब्राइट होती ही है, साथ ही इसकी खुशबू मूड को बेहतर बनाने और स्ट्रेस को कम करने में भी मदद करती है। इसके साथ ही मान्य है कि गुलाब के पत्तों वाले पानी से नहाने पर जीवन में प्रेम, खुशहाली और सुख-समृद्धि बनी रहती है और सौभाग्य में भी वृद्धि होती है।

पानी में मिलाएं चंदन के तेल की कुछ बूंदे

चंदन का इस्तेमाल भी सदियों से अपनी खूबसूरती को निखारने के लिए होता आया है। यूं तो आप चंदन पाउडर की उबटन बनाकर भी नहा सकते हैं लेकिन पानी में चंदन के तेल की कुछ बूंदे मिलाकर नहाना सबसे आसान और कारगर तरीका है। ये सिर्फ आपकी त्वचा में निखार लाने और उसे खुशबूदार बनाने का ही काम नहीं करता बल्कि ज्योतिष के अनुसार ये जीवन में गुड लुक और पॉजिटिविटी अट्रैक्ट करने का भी काम करता है। इसके साथ ही इसकी भीनी खुशबू मूड को तुरंत खुशनुमा बनाकर ताजगी और सुकून देती है।

झारखंड

साउथ अफ्रीका की खैर नहीं... रोहित और विराट ने एक साथ की नेट प्रैक्टिस, खूब मारे छक्के-चौके

GANDIV REPORTER

रांची। भारतीय टीम साउथ अफ्रीका के खिलाप टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप हो गई। अब दोनों टीमों के बीच वनडे सीरीज की शुरूआत होने वाली है। 30 नवंबर को रांची में पहला वनडे मुकाबला खेला जाएगा। इस मैच के लिए भारतीय टीम के खिलाड़ी रांची पहुंच गए हैं। गुवाहाटी में चल रहे टेस्ट मैच के दौरान ही विराट कोहली रांची पहुंच गए थे। उसके बाद पूर्व कप्तान रोहित शर्मा भी रांची पहुंचे।

विराट कोहली और रोहित शर्मा ने वनडे सीरीज से पहले ट्रेनिंग शुरू कर दी है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें ये दोनों खिलाड़ी नेट प्रैक्टिस में साथ बल्लेबाजी करते दिख रहे

हैं। दोनों ही खिलाड़ी सिर्फ वनडे क्रिकेट ही खेलते हैं। ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद विराट और रोहित पहली बार मैदान पर नजर आएंगे। रोहित शर्मा का बल्ला ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खूब बोला था। तीन मैचों की सीरीज के पहले मैच में फेल होने के बाद दूसरे में उन्होंने फिफ्टी ठोकी थी। तीसरे मैच में रोहित ने शतक लगाकर भारत को जीत दिलाई थी। उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड भी मिला था। विराट पहले दो वनडे में खाता नहीं खोल पाए थे। तीसरे में उन्होंने 81 गेंद पर नाबाद 74 रन बनाए और रोहित के साथ शतकीय साझेदारी बनाई।

इस वनडे सीरीज में टीम इंडिया की कमान केएल राहुल संभालेंगे। नियमित कप्तान शुभमन गिल चोट के कारण उपलब्ध नहीं हैं। गिल को कोलकाता में पहले टेस्ट के दौरान गर्दन में चोट लगी थी और वह मुंबई में मेडिकल जांच करवा रहे हैं। इस वजह से वह तीन मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। टीम इंडिया के उपकप्तान श्रेयस अय्यर भी चोटिल होने के कारण नहीं खेल पाएंगे। अय्यर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में तीसरे वनडे के दौरान फील्डिंग करते समय चोट लगी थी।

झारखंड स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस में चोरी, महिला यात्री का बैग ले चोर हुए फरार

GANDIV REPORTER

रांची। झारखंड स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस (12873) में आज सुबह करीब 3 बजे चोरी की घटना को अंजाम दिया गया। चोरों ने कोच एस6 के बर्थ 2 पर सो रही महिला यात्री का बैग लेकर फरार हो गए। बैग में महिला ने गर्म कपड़े, साड़ी, सूट, कैश और जरूरी सामान रखे थे। चोरी की घटना के बाद महिला ने 139 पर शिकायत दर्ज कराई। आरपीएफ ने भी कंप्लेन रजिस्टर में मामला दर्ज कर लिया है।

दरवाजे से अंदर घुसा और बैग खींचकर भागा : जानकारी के अनुसार, यात्री अमित कुमार चंद्रवंशी और उनकी पत्नी अपनी-अपनी सीट पर सो रहे थे। उनकी पत्नी ने अपने सिरहाने के नीचे बैग रखा था। तभी करीब 3 बजे एक चोर कोच का दरवाजा खोलकर अंदर घुसा और महिला का बैग खींचकर भाग गया। दरवाजे के बाहर उसका साथी पहले से मौजूद था, जिसे उसने बैग फेंककर दिया और खुद चलती ट्रेन से कूद गया। महिला ने उसे पकड़ने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो पाई। घटना के बाद महिला जोर-जोर से रोने लगीं, जिससे कोच के बाकी यात्री भी जाग गए। घटना के बाद लोगों ने रेलवे से सुरक्षा की मांग की। उन्होंने सुझाव दिया कि ट्रेन में सीसीटीवी कैमरे लगने चाहिए। रेलवे पुलिस को हर कोच में नियमित गश्त करनी चाहिए। हर कोच में अटेंडेंट या सुरक्षा गार्ड तैनात हो। बिना रिजर्वेशन वाले यात्रियों को रिजर्व कोच में प्रवेश न दिया जाए। वेटिंग लिस्ट और ई-टिकट यात्री जो बिना सीट के कोच में आते हैं, उनके लिए अलग व्यवस्था बनाई जाए। रात के समय रिजर्व कोच में केवल आरक्षित यात्रियों का ही प्रवेश हो। यात्रियों ने कहा कि स्लीपर कोच में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना बेहद जरूरी है, ताकि ऐसी वारदातों पर रोक लग सके।

रांची के जेएससीए मैदान पर कोहली रन नहीं आग बरसाते हैं

GANDIV REPORTER

रांची। भारतीय टीम साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज खेलने के लिए तैयार है। तीन मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला रांची में होगा। साउथ अफ्रीका ने टेस्ट सीरीज को क्लीन स्वीप किया था। यही वजह है कि भारतीय टीम पर वनडे सीरीज से पहले काफी दबाव है। जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में दोनों टीमों की भिड़ंत होगी। 2013 से इस मैदान पर इंटरनेशनल क्रिकेट खेली जा रही है। भारत और इंग्लैंड के बीच पहला वनडे मुकाबला हुआ था। यह विराट कोहली के सबसे फेवरेट मैदानों में से एक है।

रांची में विराट का औसत 192 का : विराट कोहली ने रांची में अभी तक 5 वनडे मैच खेले हैं। चार पारियों में उनकी बैटिंग आई है और इसमें 384 रन बनाए हैं। वह इस मैदान पर वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। अन्य किसी बल्लेबाज के नाम 150 रन भी नहीं हैं। रांची के मैदान पर विराट कोहली के बल्ले से शतक और एक फिफ्टी निकली है। उनका औसत 192 जबकि स्ट्राइक रेट 109 का है। इस मैदान पर उनकी सबसे छोटी पारी 45 रनों की है।

विराट कोहली ने अपने करियर में 59 मैदानों पर एक से ज्यादा मैच खेले हैं। उनका सबसे अच्छा औसत रांची में ही है। गुवाहाटी के बारसापारा और साउथ अफ्रीका के न्यूलैंड के मैदान पर उन्होंने वनडे में 126 की औसत से रन बनाए हैं।

साउथ अफ्रीका को हरा चुका भारत : विराट कोहली के अलावा इस मैदान पर वनडे में सिर्फ श्रेयस अय्यर के नाम शतक है। हालांकि वह चोटिल चल रहे हैं और इसी वजह से सीरीज में टीम का हिस्सा नहीं हैं। अय्यर ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ ही यहां शतकीय पारी खेली थी। इस मैदान पर आखिरी वनडे मैच भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 2022 में हुआ था। उस मैच को भारतीय टीम ने 7 विकेट से अपने नाम किया था। रोहित शर्मा का बल्ला ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खूब बोला था। तीन मैचों की सीरीज के पहले मैच में फेल होने के बाद दूसरे में उन्होंने फिफ्टी ठोकी थी। तीसरे मैच में रोहित ने शतक लगाकर भारत को जीत दिलाई थी। उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड भी मिला था। विराट पहले दो वनडे में खाता नहीं खोल पाए थे। तीसरे में उन्होंने 81 गेंद पर नाबाद 74 रन बनाए और रोहित के साथ शतकीय साझेदारी बनाई।

इस वनडे सीरीज में टीम इंडिया की कमान केएल राहुल संभालेंगे। नियमित कप्तान शुभमन गिल चोट के कारण उपलब्ध नहीं हैं। गिल को कोलकाता में पहले टेस्ट के दौरान गर्दन में चोट लगी थी और वह मुंबई में मेडिकल जांच करवा रहे हैं। इस वजह से वह तीन मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। टीम इंडिया के उपकप्तान श्रेयस अय्यर भी चोटिल होने के कारण नहीं खेल पाएंगे। अय्यर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में तीसरे वनडे के दौरान फील्डिंग करते समय चोट लगी थी।

रांची में धोनी-कोहली का रीयूनियन, माही ने खुद ड्राइव कर विराट को होटल छोड़ा

GANDIV REPORTER

रांची। रांची में धोनी और कोहली का पुनर्मिलन, भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गजों की पुरानी यारी की गवाही देता है। टीम इंडिया के वनडे सीरीज की तैयारी के बीच, धोनी का कोहली को डिनर कराना और फिर खुद ड्राइव कर होटल छोड़ना, उनकी अनूठी बॉन्डिंग को दशार्ता है। यह भावुक पल प्रशंसकों के लिए यादगार है।

भारत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रविवार से जेएससीए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में शुरू होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला की तैयारी कर रहा है, ऐसे में रांची में एक भावुक पुनर्मिलन ने सुर्खियाँ बटोरीं। विराट कोहली, ऋषभ पंत और रुतुराज गायकवाड़ उन भारतीय खिलाड़ियों में शामिल थे जिन्होंने गुरुवार को एमएस धोनी से उनके आवास पर मुलाकात की, जिससे सोशल मीडिया पर हलचल मच गई और श्रृंखला के लिए टीम की तैयारी में एक भावनात्मक स्तर जुड़ गया।

कोहली के धोनी के घर पहुँचने पर सबसे जोरदार जयकारे लगे, और इसकी वाजिब वजह भी थी। दोनों ने भारतीय क्रिकेट की सबसे यादगार साझेदारियों में से एक साझा की है-धोनी के कुशल नेतृत्व में कोहली के शानदार प्रदर्शन से लेकर सभी प्रारूपों में निर्णायक क्षणों में धोनी का उन पर भरोसा। रांची में उनकी दोस्ती एक बार फिर पूरी तरह से देखने को मिली, जहाँ पूर्व कप्तान द्वारा कोहली का अभिवादन और उनका स्वागत करने की तस्वीरें तेजी से वायरल

हुईं। हालाँकि, प्रशंसकों को सबसे ज्यादा खुशी इस बात से हुई कि इस समारोह के बाद धोनी खुद कोहली को अपनी कार में बिठाकर ले गए। यह क्लिप - जिसमें धोनी गाड़ी चला रहे थे और कोहली उनके बगल में बैठे, सड़कों पर उमड़े उत्साही प्रशंसकों का अभिवादन कर रहे थे - कुछ ही मिनटों में सोशल मीडिया पर छा गई, जिससे मैदान पर उनके संयुक्त प्रदर्शन से परिभाषित उस दौर की यादें ताजा हो गईं। कई प्रशंसकों ने इसे साल का सबसे यादगार पल कहा, जो भारत के दो सबसे प्रभावशाली क्रिकेटरों के बीच अटूट रिश्ते का जश्न मना रहा था। पंत और गायकवाड़ भी पूर्व भारतीय कप्तान से मिलने गए, जिससे खिलाड़ियों द्वारा धोनी के गृहनगर में राष्ट्रीय टीम के मैच देखने आने की परंपरा जारी रही। पंत, जो लंबे समय से धोनी को अपना मार्गदर्शक मानते हैं, टीम के साथियों के साथ पहुँचे।

एक से आदि कैलाश और ओम पर्वत की यात्रा होगी बंद

GANDIV REPORTER

पिथौरागढ़। उत्तराखंड के सीमांत जिला पिथौरागढ़ में स्थित आदि कैलाश और ओम पर्वत के लिए एक दिसंबर से इनर लाइन परमिट बंद कर दिए जाएंगे। धारचूला तहसील प्रशासन की ओर से आदि कैलाश क्षेत्र में पानी जमने, सीमित संख्या में श्रद्धालुओं के आने और रात में पाला गिरने से यात्रा के लिए मार्ग के सुगम नहीं होने से यह निर्णय लिया गया है। धारचूला एसडीएम जितेंद्र वर्मा ने बताया कि आदि कैलाश क्षेत्र में पार्वती कुंड का पानी जम गया है। तापमान में काफी गिरावट आ रही है। बीआरओ के मुताबिक, पाला गिरने से अब सड़क मार्ग भी यात्रा के लिए सुगम नहीं है।

ज्यादातर परिवार वहां से घाटियों की ओर लौट चुके हैं। इसके अलावा आदि कैलाश और ओम पर्वत के लिए इनर लाइन परमिट के लिए सीमित संख्या में आवेदन आ रहे हैं। एसडीएम जितेंद्र वर्मा ने कहा कि पिछले साल 2024 में आदि कैलाश यात्रा के लिए इनर लाइन परमिट 15 नवंबर से बंद कर दिए गए थे। तापमान में गिरावट और वहां की स्थितियों को देखते हुए आदि कैलाश व ओम पर्वत यात्रा 2025 को बंद करने का निर्णय लिया जा रहा है।

आदि कैलाश और ओम पर्वत के लिए एक दिसंबर 2025 से इनर लाइन परमिट जारी नहीं किए जाएंगे। इस साल 36,400 से ज्यादा परमिट जारी हुए हैं। वहीं, आदि कैलाश क्षेत्र में व्यास घाटी के अंतिम गांव कुटी के अंतर्गत करीब 14,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित शिव-पार्वती मंदिर के कपाट 5 नवंबर को बंद किए जा चुके हैं।

आदि कैलाश को छोटा कैलाश भी कहा जाता है। जो पिथौरागढ़ जिले में स्थित एक पवित्र और आध्यात्मिक स्थान है। इसका महत्व धार्मिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक तीनों रूपों में बहुत गहरा है। आदि कैलाश को भगवान शिव और माता पार्वती का तपस्थल माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि यहां भगवान शिव ने गहन तप किया था। इसलिए इस जगह को दूसरा कैलाश भी कहा जाता है। पास में स्थित परमेश्वरी गुफा और गौरीकुंड का भी सीधा संबंध देवी पार्वती से माना जाता है।

मानसरोवर की तरह ही पूजनीय माना जाता है। इसकी आकृति मूल कैलाश पर्वत से मिलती-जुलती है। पर्वत का शिखर, सफेद बर्फ और शांत वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव कराता है।

आदि कैलाश का सांस्कृतिक महत्व: आदि कैलाश क्षेत्र कुमाऊं की प्राचीन संस्कृति, परंपराओं और स्थानीय देवपूजा से जुड़ा हुआ है। महाकाली-लिपुलेख क्षेत्र में बसे इस इलाके में शैव परंपरा अत्यंत प्रचलित है।

ओम पर्वत का महत्व: आदि कैलाश यात्रा में दिखाई देने वाला ओम पर्वत अपने प्राकृतिक ॐ चिन्ह के लिए विश्व प्रसिद्ध है। यह हूबहू ओम की तरह नजर आता है। यही वजह है कि यात्रियों के लिए यह एक पवित्र और चमत्कारिक नजारा होता है।

प्राकृतिक और भौगोलिक महत्व: यह क्षेत्र हिमालय की दुर्लभ सुंदरता, बर्फीले पहाड़, गहरी घाटियों, नदियों और शांत वातावरण से भरा है। कुटीझजोहार क्षेत्र की पारंपरिक जीवनशैली और अनोखी संस्कृति यात्रियों को खूब आकर्षित करती हैं।

आध्यात्मिक यात्रा का अनुभव: आदि कैलाश की यात्रा कैलाश जैसा अनुभव भारत में ही प्रदान करती है। कठिन रास्ते, प्राकृतिक सौंदर्य और मन की शांति, ये सब मिलकर इस जगह को खास बनाते हैं।

चक्रवाती तूफान दित्वाह का खतरा बढ़ा

तमिलनाडु-पुडुचेरी समेत कई राज्यों में बारिश की चेतावनी

GANDIV REPORTER

नई दिल्ली। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने शुक्रवार को चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि चक्रवाती तूफान दित्वाह श्रीलंका के तटीय क्षेत्र और दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर सक्रिय है। तूफान पिछले 6 घंटों में 10 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर और उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ा है। तूफान का केंद्र त्रिंकोमाली से 50 किमी दक्षिण, बैटिकलोआ से 70 किमी उत्तर-पश्चिम और हंबनटोटा से 220 किमी उत्तर में स्थित था, जबकि यह भारत के पुडुचेरी से 460 किमी दक्षिण-पूर्व और चेन्नई से 560 किमी दक्षिण-पूर्व में स्थित था।

बारिश और हवा के खतरे की चेतावनी जारी : मौसम विभाग ने बताया कि तूफान तेजी से आगे बढ़ रहा है और 30 नवंबर की सुबह तक उत्तरी तमिलनाडु, पुडुचेरी और दक्षिण आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों के पास बंगाल की खाड़ी में पहुंच जाएगा। आईएमडी ने कई राज्यों के लिए बारिश और हवा के खतरे की चेतावनी जारी की है।

20 सेमी से अधिक हो सकती है भारी बारिश : तमिलनाडु और पुडुचेरी में शुक्रवार और शनिवार को भारी से अत्यधिक भारी बारिश का पूवार्नुमान है, जबकि कुछ जगहों पर 20 सेमी से अधिक बरसात हो सकती है। 30 नवंबर को बारिश थोड़ा कम होने की संभावना है, लेकिन कहीं-कहीं भारी वर्षा भी हो सकती है। दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश और रायलसीमा में शुक्रवार से बारिश की शुरूआत हो सकती है। यहां क्रमशः 29 से 30 नवंबर को भारी बारिश और 1 से 2 दिसंबर को भी भारी बारिश जारी रह सकती है।

60-100 किमी प्रति घंटा की हवा चलने की संभावना : केरल और लक्षद्वीप क्षेत्र में भी भारी बारिश की संभावना है। तेलंगाना में 30 नवंबर और 1 दिसंबर को भारी बारिश के आसार हैं। तूफान के असर से विभिन्न तटीय क्षेत्रों में 60-100 किमी प्रति घंटा की हवा चलने की संभावना है। दक्षिण तमिलनाडु, पुडुचेरी, श्रीलंका और दक्षिण आंध्र तटों पर गेल-फोर्स हवाएं चलेंगी। आईएमडी ने 1 दिसंबर तक समुद्र में मछली पकड़ने पर पूरी तरह रोक लगा दी है। पहले से समुद्र में मौजूद नावों को तुरंत सुरक्षित स्थानों की ओर जाने की सलाह दी गई है। लोगों को घरों में सुरक्षित रहने की सलाह दी गई है।

महिला ने किया था बेटी का मर्डर, अब अररिया कोर्ट ने दी फांसी की सजा

अररिया। बिहार के अररिया जिले में हत्या की आरोपी एक मां (35 वर्ष) को अदालत ने फांसी की सजा सुनायी है। व्यवहार न्यायालय के अपर जिला एंव सत्र न्यायाधीश चतुर्थ ने अपने आदेश में कहा है कि आरोपी महिला के गर्दन में फांसी लगाकर तब तक लटकाया जाये, जब तक उसकी मृत्यु न हो जाये।

सरकारी वकील प्रभा कुमारी ने बताया कि स्पीडी ट्रायल के तहत मामले की सुनवाई हुई। अररिया सिविल कोर्ट में एडिजे चतुर्थ रवि कुमार की अदालत ने नरपतगंज निवासी एक महिला को फांसी की सजा सुनाई। साथ ही कोर्ट ने अपने आदेश में कहां कि महिला को फांसी के फंदे पर तक तक लटकाया जाय, जब तक उसकी मृत्यु न हो जाय।

साथ ही, कोर्ट ने धारा 328 के अंतर्गत 7 साल की सजा और 50 हजार का जुमार्ना भी लगाया। वहीं धारा 201/120बी के अंतर्गत 5 साल की सजा और 10 हजार का जुमार्ना लगाया। कोर्ट ने कहा कि जुमार्ना की राशि नहीं देने पर 18 महीने की अतिरिक्त सजा का आदेश दिया है। सरकार की ओर से एपीपी (सहायक लोक अभियोजक) प्रभा कुमारी ने बताया कि, यह सजा एसटी 582/2023 और नरपतगंज थाना कांड संख्या 380/2023 में सुनायी गयी है। इस मामले में अभियुक्त पूनम देवी का ट्रायल चल रहा था। जिसमें 302, 201, 120बी और 328 में चार्ज फ्रेम हुआ।

लखनऊ में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बोलीं

आगे बढ़ने के साथ भीतर झांकने की भी यात्रा शुरू करें, मन को शुद्ध करें

GANDIV REPORTER

लखनऊ। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शुक्रवार को ब्रह्माकुमारीज के ध्यान शिविर के शुभारंभ पर लखनऊ पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीज के इस आयोजन में आकर मुझे प्रसन्नता हो रही है। भारत की सभ्यता ने विश्व कुटुंबकम का संदेश दिया है। आज विश्व कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। इस संकल्प के लिए ब्रह्माकुमारीज का यह अभियान महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत सरकार योग और ध्यान को बढ़ावा दे रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मूल्य आधरित शिक्षा पर जोर दिया जा रहा है। भारत सरकार पर्यावरण के प्रति प्रेम बढ़ा रही है। मानवता का भविष्य विश्वास और चेतना से सुरक्षित है। आज मानवता ने बहुत उन्नति की है। आज का युग सूचना क्रांति का युग है। इसने मानव जीवन को और सुगम बनाया है। आज का मानव पहले की अपेक्षा अधिक शिक्षित और तकनीकी रूप से सक्षम है। समाज में तकनीकी उन्नति के साथ ही तनाव और एकाकीपन भी है। आज जरूरी है कि हम केवल आगे बढ़ने की ही नहीं बल्कि खुद के भीतर झांकने की यात्रा भी शुरू करें। इसका प्रयास ब्रह्माकुमारीज कर रहा है।

हर मनुष्य चाहता है कि दूसरों पर विश्वास करें। विश्वास वहीं टिकता है जहां मन और भावनाएं शुद्ध हों। शांति और आनंद किसी बाहरी वस्तु में नहीं बल्कि हमारे भीतर है। जब आत्मिक चेतना आती है तो यह विश्व शांति का नींव बनती है।

ब्रह्माकुमारीज संस्था द्वारा विश्व शांति, नागरिक मूल्यों व शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयास के लिए प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि आइए शांति को अपने भीतर जगाएं। विश्वास को विचारों में उतारें और एकता को कर्मों में प्रकट करें।

हम इसमें योगदान दें। ब्रह्माकुमारीज विश्वविद्यालय केवल लखनऊ, माउंट आबू में नहीं बल्कि गांव-गांव में फैला है। आज का ये कदम विश्व में बढ़ेगा। यह सुंदर विश्व बनाने का संवहक बनेगा।

प्रयागराज में कोहरे का कहर हाईवे पर खड़े ट्रक में घुसी कार पिता-पुत्र सहित चार लोगों की मौत

GANDIV REPORTER

मिजार्पुर। प्रयागराज-वाराणसी हाईवे पर आज 28 नवम्बर की तड़के कोहरे के कारण बड़ा सड़क हादसा हो गया। प्रयागराज से वाराणसी की ओर जा रही एक स्विफ्ट कार अनियंत्रित होकर सड़क पार कर रहे ट्रक चालक और खलासी को रौंदते हुए खड़े ट्रक में जा घुसी। हादसे में कार सवार पिता-पुत्र सहित कुल चार लोगों की मौत हो गई।

कार के टकराने के बाद सड़क पर बिखरे शवों को देखकर राहगीरों के होश उड़ गए। सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

कछवां थाना क्षेत्र के कटका हाईवे पर भारत पेट्रोलियम के पास यह दुर्घटना हुई। प्रयागराज से वाराणसी जा रही कार अचानक अनियंत्रित होकर खड़े ट्रक में जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार में सवार श्यामकृष्ण यादव और उनके पुत्र अनुराग यादव की मौके पर ही मौत हो गई। उसी समय खाना खाकर अपने ट्रक की ओर लौट रहे ट्रक ड्राइवर और खलासी भी कार की चपेट में आ गए। ट्रक ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल खलासी को भदोही मंडलीय अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। मृत ट्रक चालक और खलासी की पहचान अभी नहीं हो सकी है।

दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने कार को ट्रक से बाहर निकलवाकर तीन शवों को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू की। खलासी को अस्पताल भेजा गया, जहां उसकी भी मौत हो गई। सीओ सदर अमर बहादुर ने बताया कि हादसे में कुल चार लोगों की मौत हुई है। आगे की आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

आतंक को लेकर बहुत सारे मिथक टूट गए : माधव

GANDIV REPORTER

नयी दिल्ली। फरीदाबाद से सामने आया आतंक का डॉक्टर वाला रूप इन दिनों पूरे देश में चर्चा का विषय बना हुआ है। इसी मॉड्यूल के तहत दिल्ली के लाल किले के सामने हुए आतंकी हमले को लेकर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के नेता राम माधव ने कहा कि इस घटना ने आतंक से जुड़े बहुत सारे मिथकों को तोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर यह धारणा बनी हुई है कि शिक्षा का आतंकवाद से कोई लेना देना नहीं है। यह गरीबी का परिणाम है। इस घटना ने साबित कर दिया कि आतंकवाद का शिक्षा या गरीबी से कोई लेना देना नहीं है, यह एक धारणा, एक सोच का परिणाम है।

ंघ के नेता ने कहा कि किसी एक धर्म को पूरी तरह से आतंकवाद से नहीं जोड़ा जा सकता, लेकिन एक यह भी नहीं भूलना चाहिए कि आतंकवादी का धर्म होता है। उन्होंने कहा, दिल्ली लाल किला ब्लास्ट के मामले का मुख्य आतंकी अपने कुकर्मों को सही ठहराने के लिए कुरआन की आयतों का हवाला दे रहा है... हम मानें या न मानें आतंकवादियों की धार्मिक प्रेरणा होती है। इस बात को अब और नकारा नहीं जा सकता है। इसलिए हमें इस बात को अब नकार देना चाहिए कि पढ़े लिखे लोग आतंकवादी नहीं हो सकते। दुनिया ने देखा है कि ओसामा बिन लादेन इंजीनियर था, अल जवाहिरी डॉक्टर था और आतंकवादी भी था।

उन्होंने कहा, दूसरी बात हमें इस बात को भी खारिज कर देना चाहिए की आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता... हां, हम किसी एक धर्म को पूरी तरह से आतंकवाद के साथ नहीं जोड़ सकते हैं, लेकिन इतना तय है कि एक आतंकवादी का अपना धर्म होता है। लोग धार्मिक आधार पर आतंक की तरफ बढ़ते जा रहे हैं। हमें इस मुद्दे को लेकर अब तार्किक तरीके से सोचना होगा।

संघ नेता ने आतंकवादियों को भटका हुआ नौजवान बताकर बचाने वाले लोगों को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा, ह्लअगर आप इसे (आतंकवाद को) यूं ही नकारते रहेंगे, तो आप फिर वही पुराना बचाव वाला और माफी मांगने वाला प्रचार कर रहे हैं। हमारे देश में ऐसे बुद्धिजीवियों की कमी नहीं है। अब समय आ गया है कि हम सभी को इसका खड़े होकर मुकाबला करना चाहिए। हमारे लिबरल बुद्धिजीवी और मुस्लिम बुद्धिजीवियों को भी इन बातों पर खुलकर सामने आना चाहिए।

आपको बता दें, यह पूरी बात फरीदाबाद की अल फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़े डॉक्टर मॉड्यूल से जुड़ी हुई है। इसमें इन आतंकियों के पास से बड़ी मात्रा में अमोनियम नाइट्रेट बरामद हुआ था। लाल किले के पास कार में आत्मघाती हमला करने वाला भी आतंकी उमर भी एक डॉक्टर था। फिलहाल इस मामले में जांच जारी है और अभी तक कई गिरफ्तारियाँ भीदिल हो चुकी हैं।

पीएम मोदी से मिलीं विश्व कप विजेता ब्लाइंड महिला क्रिकेट टीम, ट्रॉफी संग साझा कीं ऐतिहासिक पल

डब्ल्यूपीएल 2026 नीलामी : दीप्ति शर्मा सबसे महंगी खिलाड़ी

यूपी वारियर्स और एमआई की बड़ी बोली से बदला खेल

GANDIV REPORTER

नई दिल्ली। महिला प्रीमियर लीग 2026 की मेगा नीलामी में भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा को यूपी वॉरियर्स ने 3.2 करोड़ रुपये में खरीदकर सबसे महंगी खिलाड़ी का दर्जा दिलाया, जो महिला क्रिकेट में बढ़ते निवेश का प्रतीक है। इस नीलामी में कई टीमों ने बड़ी बोलियां लगाकर अपनी रणनीति स्पष्ट की, जिससे आगामी सीजन में कड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा।
दिल्ली में चल रही महिला प्रीमियर लीग 2026 की मेगा नीलामी के त्वरित दौर में आज काफी तेजी देखने को मिली है। मौजूद जानकारी के अनुसार, भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा पर सबसे ज्यादा बोली लगी और उन्हें यूपी वॉरियर्स ने 3.2 करोड़ रुपये में खरीदा है। बता दें कि यह अब तक नीलामी की सबसे ऊंची बोली में से एक मानी जा रही है, जिस पर सभी टीमों की नजर थी और दीप्ति पर विश्वास भी साफ दिखा है।
स्पिनरों पर हुई बोली भी खास रही। गौरतलब है कि श्री चरनी को दिल्ली कैपिटल्स ने 1.3 करोड़ रुपये में टीम में शामिल किया है। इसके अलावा आशा सोभना को भी यूपी वॉरियर्स ने 1.1 करोड़ में खरीदा है। विदेशी खिलाड़ियों में न्यूजीलैंड की अमेलिया केर पर मुंबई इंडियंस ने भरोसा जताते हुए उन्हें दोबारा 3 करोड़ रुपये में साइन किया है, जबकि अनुभवी एलिसा हीली और भारतीय विकेटकीपर उमा छेत्री इस बार अनसोल्ड रही हैं।
आरसीबी ने तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी (75 लाख) और ऑलराउंडर पूजा वस्त्राकर (85 लाख) को टीम में शामिल किया है। विकेटकीपर तानिया भाटिया दिल्ली गई हैं, जबकि सजीवन सजन मुंबई इंडियंस के साथ जुड़ी हैं। उधर लंबे समय से चोट से जूझ रहीं टीम इंडिया की विश्व कप स्टार प्रतिका रावल को इस चरण में कोई टीम रिक्वेस्ट नहीं कर सकी और वे अनसोल्ड रह गई हैं। यूपी वॉरियर्स ने एक और बड़ा दांव लगाते हुए शिखा पांडे को 2.4 करोड़ रुपये में खरीदा है, जो नीलामी की प्रीमियम खरीद में गिनी जा रही हैं। गुजरात जायंट्स ने आरटीएम का इस्तेमाल करते हुए कश्वी गौतम को 65 लाख रुपये में फिर से टीम में शामिल किया है। इससे पहले दिग्गज डिआंद्रा डॉटिन को भी यूपी वॉरियर्स ने 80 लाख में खरीदा है।

टीमें अब अंतिम स्लॉट भरने में लगी हुई हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार गुजरात जायंट्स के पास अभी 12 स्लॉट खाली हैं और पर्स में करीब 6 करोड़ रुपये मौजूद हैं। इसी तरह टक के पास 1.95 करोड़, डीसी के पास 1.1 करोड़, आरसीबी के पास 2.85 करोड़ और यूपीडब्ल्यू के पास 4.65 करोड़ रुपये बचे हुए हैं।
अनकैप्ड खिलाड़ियों में सिर्फ दीया यादव को दिल्ली ने 10 लाख में खरीदा है। आरटीएम कार्ड का भी अच्छा इस्तेमाल हुआ है। फ्छइ ने प्रेमा रावत को 20 लाख में वापस लिया और टकने संस्कृति गुप्ता को टीम में लौटाया है।
अब तक की टॉप खरीद में दीप्ति शर्मा (3.2 करोड़), अमेलिया केर (3 करोड़), सोफी डिवाइन (2 करोड़), मेग लैनिंग (1.9 करोड़) और श्री चरनी (1.3 करोड़) शामिल हैं। स्पिनर आशा सोभना को भी यूपी वॉरियर्स ने अच्छी कीमत पर खरीदा है। आरसीबी ने इंग्लैंड की लिंजी स्मिथ को 30 लाख में लिया है, जबकि आलाना किंग, साईका इशाक और अमांडा वेलिंगटन अनसोल्ड रहीं हैं।
मुंबई ने दक्षिण अफ्रीका की शबनिम इस्माइल को 60 लाख में साइन किया है। गुजरात ने टिटास साधु को 30 लाख में लिया है। यूपी वॉरियर्स ने भारतीय तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ को 50 लाख में खरीदा है और आरसीबी ने इंग्लैंड की लॉरेन बेल को 90 लाख में अपने साथ जोड़ा है। दिल्ली ने दक्षिण अफ्रीका की लिजेल ली को 30 लाख में टीम में शामिल किया है।
मार्की सेट में मेग लैनिंग (डब्ल्यूपीएल-1.9 करोड़), लॉरा वोल्वार्ड्ट (डीसी-1.1 करोड़), रेनुका सिंह (जीजी-60 लाख) पर अच्छी बोली लगी है। एमआई ने अमेलिया केर को 3 करोड़ में रिटेन जैसा वापस लिया और यूपीडब्ल्यू ने सोफी एक्लेस्टोन को आरटीएम के जरिए 85 लाख में रोका है।
यूपी वॉरियर्स के पास सबसे ज्यादा पर्स होने का फायदा साफ दिखा है। टीम ने फीबी लिचफील्ड (1.2 करोड़), किरण नवगिरे (60 लाख), मेग लैनिंग, दीप्ति और शिखा जैसी खिलाड़ियों के साथ अपनी टीम को बेहद मजबूत कर लिया है। नीलामी के आगे बढ़ने के साथ तस्वीर और स्पष्ट हो रही है कि इस बार डब्ल्यूपीएल में टीमों के बीच काफी कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी और यह सीजन रोमांच से भरा होने वाला है। यह पूरा नीलामी दौर महिला क्रिकेट में तेजी से बढ़ते निवेश और बढ़ती लोकप्रियता को भी दशार्ता है, जिसमें भारतीय और विदेशी दोनों खिलाड़ियों की मांग लगातार बढ़ रही है और यही इस लीग की असली ताकत बन गई है।

अंडर-19 एशिया कप 2025: अब दुबई देखेगा वैभव सूर्यवंशी का जलवा, टीम इंडिया घोषित

GANDIV REPORTER

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट की नई सनसनी वैभव सूर्यवंशी के बल्ले का जलवा कतर के बाद एक और खाड़ी देश के क्रिकेट फैंस देखेंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने शुक्रवार को अंडर-19 एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। इंडिया अंडर-19 टीम की कप्तानी मुंबई के आयुष महात्रे को दी गई है, जबकि पंजाब के विहान मल्होत्रा को उपकप्तान बनाया गया है। महज 14 साल के वैभव को भी टीम में बतौर ओपनर शामिल किया गया है। वैभव ने इसी महीने कतर के दोहा में आयोजित राइजिंग स्टार्स एशिया कप 2025 में इंडिया-ए की तरफ से खेलते हुए महज 32 गेंद में शतक ठोका था, जो भारतीय क्रिकेट में तीसरा सबसे तेज टी20 शतक है। अब वैभव के शॉट्स दुबई के दर्शकों को अपना दीवाना बनाएंगे, जहां 12 दिसंबर से अंडर-19 एशिया कप के मुकाबले खेले जाएंगे। इस टूनार्मेंट के लिए भारत और पाकिस्तान को एक ही

ग्रुप में रखा गया है। इससे दोनों के बीच एक बार फिर उसी देश की धरती पर मुकाबला होना तय है, जहां सितंबर में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली भारतीय क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान को फाइनल में हराकर एशिया कप 2025 जीता है।
यह है भारतीय टीम : बीसीसीआई ने एसीसी पुरुष अंडर-19 एशिया कप 2025 के लिए टीम की घोषणा की है। इउउक के सचिव देवजीत सैकिया की तरफ से जारी मीडिया एडवाइजरी के मुताबिक, टीम में 16 प्लेयर्स को शामिल किया गया है, जिसमें किशन कुमार सिंह फिलहाल अनफिट हैं। यदि किशन फिट नहीं होते हैं तो 4 स्टैंडबाई प्लेयर्स में से कोई उनकी जगह लेगा। टीम में निम्न खिलाड़ी शामिल हैं-
अंडर-19 एशिया कप टीम : आयुष महात्रे (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, विहान मल्होत्रा (उपकप्तान), वेदांत त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), हरवंश सिंह (विकेटकीपर), युवराज गोहिल, कनिष्क चौहान, खिलाल ए. पटेल, नमन पुष्पक, डी. दीपेश, हेनिल पटेल, किशन कुमार सिंह, उद्धव मोहन और आरोन जॉर्ज।
स्टैंडबाय प्लेयर्स- राहुल कुमार, हेमचूडेशन, बीके किशोर, आदित्य रावत
दो ग्रुप में बांटी गई हैं टीम
एशिया कप के लिए 8 टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है। इनमें भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के अलावा तीन क्वालिफायर टीम हैं, जिनका फैसला होना अभी बाकी है।
ग्रुप-एः भारत, पाकिस्तान, क्वालिफायर-1, क्वालिफायर-3
ग्रुप-बीः श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, क्वालिफायर-2
14 दिसंबर को होगा भारत-पाकिस्तान का मैच
भारतीय टीम अंडर-19 एशिया कप में अपने अभियान की शुरूआत 12 दिसंबर को क्वालिफायर-1 के खिलाफ मैच से करेगी। इसके बाद 14 दिसंबर को वो मैच होगा, जिसका सभी को इंतजार रहता है। इस दिन भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला खेला जाएगा। भारतीय टीम 16 दिसंबर को क्वालिफायर-3 के खिलाफ अपना आखिरी ग्रुप मैच खेलेगी। इसके बाद 19 दिसंबर को दोनों सेमीफाइनल खेले जाएंगे, जबकि 21 दिसंबर को फाइनल का आयोजन होगा।
दो ग्रुप में बांटी गई हैं टीम
एशिया कप के लिए 8 टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है। इनमें भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के अलावा तीन क्वालिफायर टीम हैं, जिनका फैसला होना अभी बाकी है।
ग्रुप-एः भारत, पाकिस्तान, क्वालिफायर-1, क्वालिफायर-3
ग्रुप-बीः श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, क्वालिफायर-2
14 दिसंबर को होगा भारत-पाकिस्तान का मैच
भारतीय टीम अंडर-19 एशिया कप में अपने अभियान की शुरूआत 12 दिसंबर को क्वालिफायर-1 के खिलाफ मैच से करेगी। इसके बाद 14 दिसंबर को वो मैच होगा, जिसका सभी को इंतजार रहता है। इस दिन भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला खेला जाएगा। भारतीय टीम 16 दिसंबर को क्वालिफायर-3 के खिलाफ अपना आखिरी ग्रुप मैच खेलेगी। इसके बाद 19 दिसंबर को दोनों सेमीफाइनल खेले जाएंगे, जबकि 21 दिसंबर को फाइनल का आयोजन होगा।

द. अफ्रीका से हार के बाद आर अश्विन का गंभीर का समर्थन

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट में हालिया हार के बाद, आर अश्विन ने हेड कोच गौतम गंभीर का समर्थन किया है और खिलाड़ियों से अपनी जिम्मेदारी समझने का आग्रह किया है। अश्विन का विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण यह बताता है कि किसी भी खेल में हार-जीत होती है और कोच को ही पूरी तरह जिम्मेदार ठहराना अनुचित है, बल्कि खिलाड़ियों को अपने प्रदर्शन के लिए जवाबदेह होना चाहिए। भारत की टेस्ट टीम को हाल ही में घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 0-2 से करारी हार का सामना करना पड़ा। इस हार के बाद हेड कोच गौतम गंभीर की रणनीति और ऑलराउंडर्स पर भरोसा करने के फैसले की आलोचना हुई। मगर पूर्व ऑफ स्पिनर आर अश्विन ने गंभीर का समर्थन करते हुए कहा कि उन्हें किसी का बकरी का बच्चा नहीं बनाया जाना चाहिए। मौजूद जानकारी के अनुसार, अश्विन ने अपने यूट्यूब शो अश की बात में कहा कि खेल में हार-जीत होती रहती है और एक कोच को पूरी तरह दोषी ठहराना उचित नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि खिलाड़ी, न कि सिर्फ प्रबंधन, अपनी जिम्मेदारी समझें। अश्विन ने कहा, गौतम मेरे रिश्तेदार नहीं हैं, मैं भी उनकी गलतियों की सूची बना सकता हूँ। लेकिन गलतियाँ होती हैं और हर कोई उन्हें कर सकता है। हम हमेशा किसी को दोष देने की प्रवृत्ति में रहते हैं, जो सही नहीं है।
गौरतलब है कि अश्विन ने कहा कि भारतीय क्रिकेट में बहुत कुछ दांव पर होता है, लेकिन कोच बल्ला लेकर खेल में नहीं उतर सकता। खिलाड़ियों को प्रदर्शन की जिम्मेदारी खुद लेनी होगी। उन्होंने यह भी माना कि टीम की लगातार हार ने जिम्मेदारी तय करने की आवश्यकता जताई है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि केवल कोच को निशाना बनाया जाए।

आईपीएल ऑक्शन से पहले पृथ्वी शॉ की धुंआधार फिफ्टी, कप्तान के डेब्यू में महाराष्ट्र को दिलाई जीत

GANDIV REPORTER

कोलकाता। आईपीएल 2026 के लिए खिलाड़ियों की नीलामी दिसंबर में होनी है। उससे पहले भारत का प्रमुख टी20 टूनार्मेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का आयोजन किया जा रहा है। इस टूनार्मेंट पर सभी फ्रेंचाइजी की नजर है। पिछले ऑक्शन में अनसोल्ड रहे पृथ्वी शॉ महाराष्ट्र के लिए इस टूनार्मेंट में खेल रहे हैं। टीम की कप्तानी करते हुए पृथ्वी ने विस्फोटक बैटिंग की और सिर्फ 23 गेंदों पर अर्धशतक ठोक दिया। इससे महाराष्ट्र को हैदराबाद के खिलाफ आसानी से जीत मिली।

पृथ्वी ने 66 रनों की पारी खेली : सलामी बल्लेबाज करने उतरे पृथ्वी शॉ ने 66 रनों की पारी खेली। उन्होंने 23 गेंदों पर महाराष्ट्र के लिए अपना पहला टी20 अर्धशतक बनाया। वह पिछले सीजन मुंबई की टीम का हिस्सा थे। 66 रनों की पारी खेलने के बाद वह रक्षत रेड्डी का शिकार बने। अपनी पारी में उन्होंने 9 चौकों के अलावा तीन छक्के मारे। पहले विकेट के लिए पृथ्वी ने अर्शिन कुलकर्णी के साथ 117 रनों की साझेदारी बनाई।
पृथ्वी शॉ पहली बार महाराष्ट्र की कप्तानी कर रहे थे। रुतुराज गायकवाड़ टीम के नियमित कप्तान हैं। उन्हें साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में जगह मिली है। इसी वजह से वह यह मैच नहीं खेल रहे थे। उनकी अनुपस्थिति में पृथ्वी शॉ को कप्तानी की जिम्मेदारी मिली।
मैच में क्या क्या हुआ? कोलकाता के जादवपुर विश्वविद्यालय परिसर के मैदान पर हुए मुकाबले में हैदराबाद ने पहले बैटिंग की। 20 ओवर में टीम ने बोर्ड पर 192 रन टांग दिए। टीम के लिए टॉप-8 के सभी बल्लेबाज दहाई के आंकड़े तक पहुंचे लेकिन कोई भी 35 के पार नहीं जा पाया।

आयरलैंड के सामने घुटनों पर आया बांग्लादेश

एकतरफा मुकाबले में झेलनी पड़ी करारी हार

GANDIV REPORTER

चटगांव। बांग्लादेश ने आयरलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दोनों मुकाबलों में एकतरफा जीत हासिल की थी। हालांकि टी20 सीरीज के पहले मैच को आयरलैंड ने अपने नाम कर लिया है। चटगांव के बीर श्रेष्ठो फ्लाइट लेफ्टिनेंट मतिउर रहमान स्टेडियम में खेले गए मुकाबले को आयरलैंड ने 39 रनों से बड़े अंतर से जीता। पहले बैटिंग करते हुए आयरलैंड ने 4 विकेट पर 181 रन बनाए। जवाब में बांग्लादेश की टीम 9 विकेट पर 142 रन ही बना सकी।
हैरी टेक्टर ने शानदार पारी खेली
पहले बैटिंग करने उतरे आयरलैंड को टिम टेक्टर ने बेहतरीन शुरूआत दिलाई। उन्होंने सिर्फ 19 गेंद पर 32 रन ठोक दिए। तीसरे ओवर की पहली तीन गेंद पर उन्होंने लगातार तीन चौके मारे। हालांकि कप्तान पॉल स्टर्लिंग खुलकर नहीं खेल पाए। उन्होंने 18 गेंद पर 21 रन बनाए। तीसरे नंबर पर उतरे हैरी टेक्टर ने इसके बाद मोर्चा संभाल लिया। हैरी टेक्टर संभलकर खेल रहे थे लेकिन जब भी मौका मिला उन्होंने हाथ खोले।
37 गेंदों पर उन्होंने अपनी फिफ्टी पूरी की। आखिरी ओवर में तंजिम हसन साकिब के खिलाफ टेक्टर ने दो छक्के मारे और टीम को 181 रनों तक पहुंचा दिया। उन्होंने 45 गेंद पर 1 चौका और 5 छक्कों की मदद से 69 रन बनाए। लोर्कन टकर ने 18, कर्टिस कैम्पर ने 24 जबकि डॉकरेल ने 12 रनों का योगदान दिया। तंजिम ने बांग्लादेश के लिए सबसे ज्यादा दो विकेट लिए।
स्पिन बॉलिंग के आगे बांग्लादेश फेल : आयरलैंड के गेंदबाजों ने पहले ओवर से ही बांग्लादेश को प्रेशर में डाल दिया। मैथ्यू हम्फ्रीज ने पहले ओवर की5वीं गेंद पर तंजिद हसन को आउट किया। दूसरे ओवर की दूसरी गेंद पर लिटन दास पवेलियन लौट गए। चौथे ओवर में परवेज हुसैन इमोन की पारी का अंत हुआ तो पावरप्ले के आखिरी ओवर में सैफ हसन भी चलते बने। 6 ओवर के बाद बांग्लादेश का स्कोर 4 विकेट पर 20 रन था। यही से टीम की हार लगभग तय हो गई थी। इसके बाद 5 ओवर में जाकर अली और तौहिद ह्रिदोय ने 46 रन जोड़े। बैरी मैकैर्थी ने जाकेर अली को आउट कर बांग्लादेश की आधी पारी समेट दी।13वें ओवर में मैथ्यू हम्फ्रीज ने रही सही कसर पूरी कर दी।

पर्दे पर फिर छाएगी रणबीर और दीपिका पादुकोण की जोड़ी !

अयान मुखर्जी बनाएंगे राज कपूर की चोरी चोरी का मॉडर्न वर्जन

रणबीर कपूर और दीपिका पादुकोण ये जवानी है दीवानी के निर्देशक अयान मुखर्जी की अगली फिल्म में 10 साल बाद फिर साथ नजर आएंगे, जो राज कपूर की क्लासिक चोरी चोरी से प्रेरित होगी। यह फिल्म आरके फिल्म्स बैनर के तहत बनेगी, जिससे रणबीर कपूर अपने पारिवारिक विरासत को पुनर्जीवित कर रहे हैं।

आखिरकार ऐसा हो सकता है! दस साल के लंबे इंतजार के बाद, रणबीर कपूर और दीपिका पादुकोण एक बार फिर साथ काम कर रहे हैं। और सिर्फ.किसी फि ल्ममेकर के लिए नहीं, वे अपनी ये जवानी है दीवानी के डायरेक्टर अयान मुखर्जी के लिए साथ आ रहे हैं। यह प्रोजेक्ट कई तरह से खास होगा। सबसे पहले, इसमें आज के जमाने की सबसे पसंदीदा जोड़ियों में से एक का बहुत इंतजार किया जा रहा ऑनस्क्रीन रीयूनियन देखने को मिलेगा। और दूसरी बात, यह रणबीर के परदादा राज कपूर और नरगिस की क्लासिक चोरी चोरी पर आधारित होगी।

प्रोजेक्ट के बारे में डिटेल्स

इंडिया टुडे की एक रिपोर्ट के मुताबिक, रणबीर-डीपी स्टारर यह फि ल्म 1956 की क्लासिक को एक मॉडर्न ट्रिब्यूट होगी। चोरी चोरी में एक भागी हुई वारिस और एक मजाकिया रिपोर्टर की कहानी दिखाई गई थी। दोनों एक सफर के दौरान मिलते हैं और उनके बीच एक बॉन्ड बनता है। रणबीर, जो आरके फिल्म्स को फिर से शुरू करने की तैयारी कर रहे हैं, इस फि ल्म को इसी मशहूर बैनर के तहत बनाएंगे।

इस प्रोजेक्ट के साथ, रणबीर मशहूर आरके फिल्म्स बैनर को फिर से शुरू करने की तैयारी कर रहे हैं, यह कदम परिवार की विरासत को वापस लाने में उनकी पर्सनल दिलचस्पी की वजह से उठाया गया है। आने वाली फिल्म के नए बैनर के तहत पहला टाइटल होने की उम्मीद है।

अयान के डायरेक्टर बनने और रणबीर-दीपिका की लीडिंग कास्ट के साथ, यह फिल्म न सिर्फ एक बड़ी ऑनस्क्रीन रीयूनियन है, बल्कि राज कपूर-नरगिस की लैंडमार्क जोड़ी को एक मॉडर्न ट्रिब्यूट भी देती है। आने वाले प्रोजेक्ट में कपूर और पादुकोण 10 साल बाद फिर से साथ काम करेंगे, उनकी पिछली फिल्म तमाशा (2015) के बाद। ये जवानी है दीवानी में उनकी जोड़ी को फैंस ने बहुत पसंद किया था।

इस बीच, रणबीर आलिया भट्ट और विक्की कौशल के साथ लव एंड वॉर की शूटिंग में बिजी हैं। वह रामायण की भी शूटिंग कर रहे हैं। दूसरी ओर, दीपिका अगली बार किंग और अल्लू अर्जुन के साथ एक फिल्म में दिखेंगी।

साल 2025 में दीपिका पादुकोण ने खूब सुर्खियां बटोरी हैं। वह कभी अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर लाइमलाइट का हिस्सा रहीं, तो कभी प्रोफेशनल लाइफ के लिए चचाओं में आईं। लेकिन, अब साल खत्म होते-होते तक दीपिका पादुकोण का नाम एक बार फिर हर किसी की जुबां पर छाने लगा है और वजह भी इस बार कमाल है। दीपिका पादुकोण और रणबीर कपूर को एक बार फिर साथ देखने की चाहत रखने वालों का सपना पूरा हो सकता है। जी हां, हाल में एक फैन ने दीपिका और रणबीर को एक साथ रोम-कॉम में कास्ट करने की अपील की थी। फैन की इस अपील पर दीपिका पादुकोण ने खुद रिएक्ट किया है, जिसके बाद फैंस की एक्साइटमेंट सातवें आसमान पर पहुंच गई है।

सोनालिका पूरी नाम की सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर और दीपिका-रणबीर की फैन ने हाल में इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया था।

हेमा मालिनी ने अपने घर पर करवाया गीता का पाठ और भजन, सुनीता ने बताया कैसा था माहौल !

गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा ने दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र को भारत के सच्चे ही मैन के रूप में याद किया, जो बड़े दिल वाले भी थे। वह गुरुवार को उनकी पत्नी हेमा मालिनी द्वारा उनके घर पर आयोजित प्रार्थना सभा में शामिल हुईं और कहा कि उनके जाने से वे सभी टूट गए हैं।

हेमा मालिनी के घर पर हुई भजन संध्या के बारे में बात करते हुए, सुनीता ने कहा, हेमा जी ने भगवद गीता और भजनों का मार्ग अपनाया था। इसलिए, हम सभी ने भजन सुने। मैं हेमा जी के सामने खुद को रोना बंद नहीं कर पाई। जब सुनीता से पूछा गया कि वह इस दुःख से कैसे उबर रही हैं, तो उन्होंने कहा, ह्यक्या कहा जाए... यह बहुत बड़ी क्षति है। वह एक महान व्यक्ति थे। मैं खुद को रोना बंद नहीं कर पाई। वह मेरे बचपन के क्रश थे। मैं उनके परिवार का बहुत सम्मान

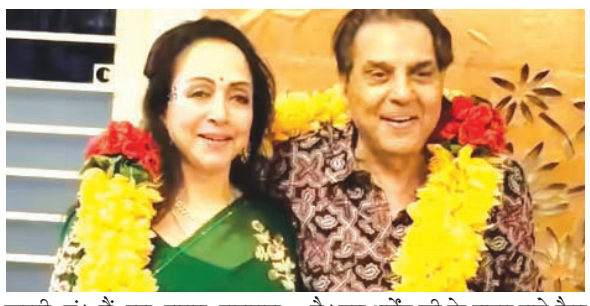

करती हूं। मैं इस समय सचमुच बहुत टूट गई हूं।

धर्मेंद्र के साथ प्यारी याद : धर्मेंद्र के साथ एक प्यारी याद के बारे में बात करते हुए सुनीता ने कहा, ह्यमैंने सोनी टीवी पर धरम जी के साथ छलके जाम पर परफॉर्म किया था। मैंने उनके साथ मंच साझा किया था... यह मेरे लिए बहुत खास था। मैं उनका और उनके परिवार का बहुत सम्मान करती हूं। मैं ईशा देओल के भी बहुत करीब हूं... मेरा पूरा परिवार है। हम धर्मेंद्र जी के बहुत बड़े फैन हैं। वास्तव में, मैंने गोविंदा से शादी इसलिए की क्योंकि मुझे लगा कि वह धर्मेंद्र जैसे दिखते हैं। वह इतने हैंडसम नहीं हैं। धर्मेंद्र जी इंडस्ट्री के सबसे हैंडसम इंसान थे। वह इंडस्ट्री के सच्चे ही मैन थे और आखिरी दम तक काम करते रहे। वह एक सच्चे देसी, बड़े दिल वाले इंसान थे।

गणेश चतुर्थी पर मुलाकात : उन्होंने दो महीने पहले गणेश चतुर्थी के दौरान धर्मेंद्र से हुई मुलाकात को याद करते हुए कहा, ह्यमैं उनसे दो महीने पहले गणपति के दौरान मिली थी। मैं अपने बेटे यशवर्धन के साथ गई थी। ईशा ने मुझे गणपति के लिए इनवाइट किया था। जब यश का जन्म हुआ, तो मैं हमेशा चाहती थी कि उसमें अमिताभ बच्चन और धर्मेंद्र जैसे गुण और रूप हों।

देओल परिवार की प्रार्थना सभा में गए थे गोविंदा : उन्होंने बताया कि उनके पति गोविंदा पहले भी देओल परिवार से मिले थे। उन्होंने कहा, यश और मैं ईशा के बहुत संपर्क में हैं। हेमा जी भी हमें बहुत प्यार करती हैं। धर्मेंद्र जी के निधन के बाद, गोविंदा सनी और बॉबी देओल परिवार से संवेदना व्यक्त करने गए थे। मैं तब नहीं जा सकी क्योंकि मैं मुंबई में नहीं थी। जब मैं लौटी, तो मुझे प्रार्थना सभा के बारे में पता चला। इसलिए मैं गुरुवार को वहां गई।

कियारा और सिद्धार्थ मल्होत्रा ने बेटी का रखा अनोखा नाम, दोनों के शब्द मिलाकर 4 अक्षर

बॉलीवुड की प्यारी जोड़ी कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा , इस साल की शुरूआत में एक बच्ची के माता-पिता बने। इस कपल ने 15 जुलाई को मुंबई के रिलायंस अस्पताल में अपनी बेटी का स्वागत किया और एक दिन बाद एक भावुक इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए उसके आगमन की घोषणा की, साथ ही अपने जीवन के इस नए दौर में निजता बनाए रखने का अनुरोध भी किया।

महीनों बाद, इस कपल ने आखिरकार अपनी बेटी का नाम बताया है। कियारा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इसकी घोषणा करते हुए लिखा, ह्यहमारी प्रार्थनाओं से, हमारी बाहों में, हमारा दिव्य आशीर्वाद, हमारी राजकुमारी, सरायाह मल्होत्रा।

कियारा और सिद्धार्थ की बेटी का नाम

हरे रंग के बैकग्राउंड पर बेबी सरायाह के नन्हे पैरों वाली यह पोस्ट तुरंत वायरल हो गई और मशहूर हस्तियों और फैंस ने कमेंट सेक्शन में बधाईयों की बाढ़ ला

दी। वरुण धवन ने दिल वाले इमोजी की एक सीरीज पोस्ट की, जबकि डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने भी शुभकामनाओं के साथ पोस्ट पर रिएक्ट किया।

सरायाह नाम का अर्थ : कई नामकरण वेबसाइटों के मुताबिक, सरायाह नाम हिब्रू नाम सारै से लिया गया है, जिसका अर्थ है राजकुमारी। सारै, पुराने नियम में सारा का मूल नाम था। आधुनिक वर्तनी सारैया लगभग 2007 में अभिलेखों में दिखाई देने लगी और इसे अनुग्रह और दिव्यता से जोड़ा गया है। हालांकि, कियारा और सिद्धार्थ ने सरायाह की वर्तनी में थोड़ा बदलाव करके इसे एक अनोखा नाम बना दिया।

बेटी के जन्म की घोषणा ऐसे की

बेटी के जन्म के बाद दोनों ने पोस्ट किया था, ह्यहम सभी के प्यार और शुभकामनाओं के लिए बहुत आभारी हैं। हमारा दिल सचमुच भर गया है। माता-पिता बनने के इस नए सफर में अपने पहले कदम रखते हुए, हम उम्मीद करते हैं कि हम एक परिवार के रूप में इसका भरपूर आनंद उठाएंगे। अगर यह खास पल निजी रह सके, तो यह हमारे लिए बहुत मायने रखेगा।

गुस्ताख इश्क का रिव्यू : पुराने जमाने का रोमांस और शेरो शायरी लौटी

निर्देशक विभु पुरी दर्शकों के लिए शेरो-शायरी, आदाब-अदब और रूहानी मोहब्बत की एक ऐसी दास्तान लेकर आते हैं, जिसका जिक्र हम घर के बड़े-बूढ़ों से सुनते हैं। मगर नब्बे के माहौल और किरदारों को स्थापित करने में विभु कुछ ज्यादा समय लेते हैं, यही वजह है कि फिल्म का पहला हिस्सा काफी स्लो महसूस होता है। मगर कहानी दूसरे भाग में दिलचस्प हो जाती है, जब अतीत की परतें खुलने लगती हैं। नब्बे के दशक को निर्देशक और सिनेमैटोग्राफर मानुष ने अपने लेंसेज से खूबसूरती से दशार्या है, जब वे पुरानी दिल्ली की तंग गलियों, प्रिंटिंग प्रेस के माहौल और चाय की दुकानों को कैद करते हैं। पंजाब की ठिठुरते माहौल और धुंध की उदासी को भी वे पर्दे पर जीवित करते हैं। कुछ दृश्य तो लैंडस्केप की तरह मालूम होते हैं। फिल्म का संपूर्ण लुक और कॉस्ट्यूम फिल्म की खासियत है, जिसे फिल्म के निमार्ता मनीष मल्होत्रा ने खुद डिजाइन किया है। गुलजार और संगीतकार विशाल भारद्वाज की जुगलबंदी में ह्यऊलजलूल इश्कह्न गाना बहुत खूबसूरत बन पड़ा है। ह्यआप इस धूप मेंह्न और ह्यशहर तेरेह्न गीतों में लफ़्ज़ों की अदायगी साफ नजर आती है। विभु पुरी और प्रशांत झा की लेखनी और संवाद शायराना हैं, मगर स्क्रीनप्ले में कुछ बातें खटकती हैं, जैसे विजय वर्मा का एक्सीडेंट होने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती क्यों नहीं कराया जाता? मगर क्लाइमेक्स खूबसूरत है।90 के दौर से गुजरे लोगों के लिए यह फिल्म मानो अपनी ही यादों की गलियों में लौटने जैसा एहसास देती है, वह दौर जब न मोबाइल थे, न वॉट्सऐप, न सोशल मीडिया का

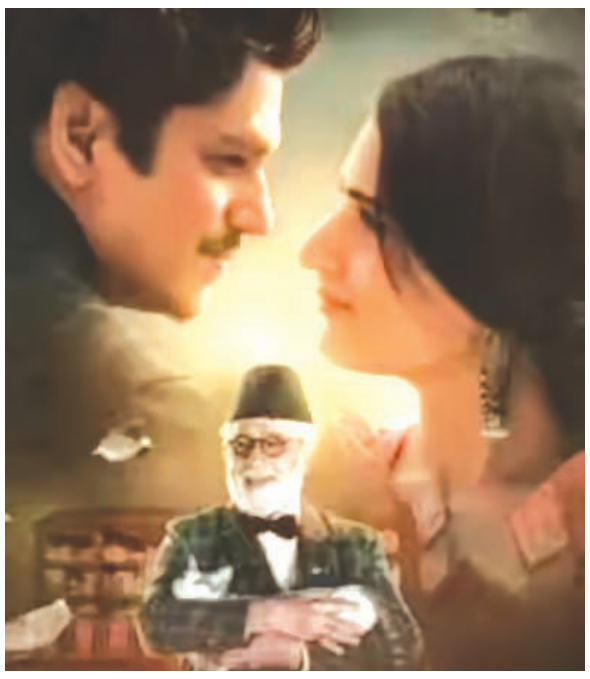

शोर। तब मोहब्बत खतों में लिखी जाती थी, फोटो एल्बमों में महकती थी और आंखों से बयान होती थी। गम कोई देना है, तो दे दे मुझे दिल में रख लूंगा निशानी की तरह, जेब में कलम रखने से शायर नहीं बनोगे कलम जख्मों पर रखनी पड़ती है, ये जो जमीर है न कांपता जरूर है, कभी गुनाह से पहले, कभी गुनाह के बाद, ऐसी शायराना रूह वाली पंक्तियां बहुत समय बाद किसी फिल्म में सुनाई दी हैं। मोहब्बत, फर्ज.और जमीर के गहरे अहसासों से लिपटी फिल्म गुस्ताख इश्क इन अशआर और डायलॉग्ज को सिर्फ सुनाती नहीं, बल्कि उन्हें जीती है। जैसा कि निर्देशक विभु पुरी की टैगलाइन कहती है, कुछ पहले जैसा, यह फिल्म सचमुच आज के सिचुएशनशिप, ओपन रिलेशनशिप, जॉम्बीइंग, नैनो-शिप और बेन्चिंग वाले इंस्टेंट लव के दौर से पहले की, उस खालिस इश्क की दास्तान है, जहां महबूब की महज एक झलक ही दिल की धड़कनों को बेकाबू कर देने के लिए काफी होती थी।नफासत, नजाकत और सूफि याना ढब की यह फि ल्म शायराना रूमानियत का जश्न मनाती है।

गुस्ताख इश्क की कहानी : कहानी का बैकड्रॉप है पुरानी दिल्ली, और दौर है नब्बे का, जब मोबाइल और सोशल मीडिया ने ज़िंदगी की रफ़्तार नहीं छीनी थी। नवाबुद्दीन सैफुद्दीन रहमान (विजय वर्मा) अपनी बूढ़ी मां और छोटे भाई के साथ तंगहाली में जी रहा है। पिता की आखिरी निशानी, उर्दू प्रिंटिंग प्रेस, बिकने के कगार पर है। छोटा भाई गरीबी से निकलने के लिए प्रेस बेच देना चाहता है, लेकिन नवाबुद्दीन इसे अपनी विरासत समझकर किसी भी कीमत पर बचाना चाहता है। इसी जद्दोजहद में वह पंजाब के मलेरकोटला पहुँचता है–एक ऐसा शहर जहां उर्दू की तहजीब अब भी सांस लेती है। यहाँ रहता है कभी नामचीन मगर अब गुमनाम हो चुके शायर अजीज (नसीरुद्दीन शाह) । नवाबुद्दीन उनका शागिर्द बनने का दिखावा इसलिए करता है कि उनके अशआर छापकर वह अपनी प्रेस को बचा सके। लेकिन इस दुनिया में कदम रखते ही उसकी मुलाकात होती है अजीज की बेटी, मिनी (फातिमा सना शेख) से–एक ऐसी लड़की जिसका तल्ख अतीत उसकी मुस्कान तक छीन चुका है। धीरे-धीरे नवाबुद्दीन उससे मोहब्बत करने लगता है। कहानी तब दिलचस्प मोड़ लेती है जब नवाबुद्दीन को पता चलता है कि उसके पिता और अजीज के बीच कभी गहरा रिश्ता था, जिसका राज आज तक किसी को नहीं पता था। वह अजीज को मनाने की पूरी कोशिश करता है कि वे अपनी शायरी उसे छापने दें, मगर अजीज के सारे कलाम उस मोहब्बत को समर्पित हैं जिसे उन्होंने कब का अलविदा कह दिया है। आगे यह सफर किस अंजाम तक पहुंचता है, यह जानने के लिए फिल्म देखनी होगी।

अभिनय के मामले में फिल्म समृद्ध है। शायर बनने की कोशिश करने वाले आशिक के किरदार को विजय वर्मा पानी सहज अदाकारी से यादगार बनाते हैं।

ऐक्टर : विजय वर्मा,फातिमा सना शेख,नसीरुद्दीन शाह और शारिब हाशमी
श्रेणी : हिन्दी, रोमांस, ड्रामा
डायरेक्टर : विभु पुरी
अवधि : 2 घंटा 8 मिनट